RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, रविवार ●10 मार्च , 2024 वर्षः-11 अंक - 312 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

संक्षिप्त समाचार

भारत ने 'गोरों' का घमंड किया चकनाचूर

● इंग्लैंड को पारी और 64 रन से हराया, दी बड़ी मात

● धर्मशाला टेस्ट के साथ ही सीरीज भी 4-1 से जीती

धर्मशाला (एजेंसी)। भारत ने धर्मशाला टेस्ट में इंग्लैंड को पारी और 64 रन से हरा दिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 4–1 से जीत ली। गुरुवार को इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी थी। पहली पारी में इंग्लैंड 218 और टीम इंडिया 477 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत को दूसरी पारी में 259 रन की बढ़त मिली, इंग्लैंड टीम 195 रन पर ही सिमट गई। इस तरह इंग्लिश टीम को पारी और 64 रन से हार का सामना करना

पड़ा। अपना 100वां टेस्ट खेल रहे रविचंद्रन अश्विन ने मैच में 9 विकेट लिए। यह घरेलू मैदानों पर भारत की पिछले 12 साल में लगातार 17वीं सीरीज जीत है। घर में लगातार सबसे ज्यादा सीरीज जीतने का रिकॉर्ड पहले से भारतीय टीम के नाम है। ऑस्ट्रेलिया अपने घर में लगातार 10 सीरीज जीतकर दूसरे नंबर पर है। भारत को आखिरी बार होम कंडीशन्स में किसी टेस्ट सीरीज में हार का सामना 2012 में करना पड़ा था।

आंध्र में टीडीपी का एनडीए के साथ हो गया गठबंधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने शनिवार को एनडीए में शामिल होने की घोषणा कर दी है। अलायंस को लेकर शनिवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के आवास पर एक बैठक हुई। इसमें टीडीपी सुप्रीमो चंद्रबाबू नायडू और जनसेना

पार्टी के अध्यक्ष पवन कल्याण शामिल हुए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मीटिंग में आंध्र प्रदेश में होने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनाव में गठबंधन को लेकर चर्चा हुई। टीडीपी के सांसद के. रविंद्र कुमार ने शुक्रवार को कहा था कि भाजपा, टीडीपी और जनसेना पार्टी ने आने वाले चुनाव में साथ में काम करने का फैसला लिया है।

इंदौर के पूर्व विधायक संजय शुक्ला भाजपा में शामिल

पूर्व सांसद सुरेश पचौरी, गजेंद्र राजूखेड़ी समेत तीन पूर्व एमएलए ने छोड़ी कांग्रेस

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी ने शनिवार को भाजपा जॉइन कर ली। प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष और धार के पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी, पिछली विधानसभा में इंदौर से कांग्रेस के विधायक रहे संजय शुक्ला, पूर्व विधायक विशाल पटेल, अर्जुन पलिया, सतपाल पलिया और भोपाल जिला कांग्रेस अध्यक्ष कैलाश मिश्रा ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की मध्यप्रदेश से विदाई के तीसरे दिन कांग्रेस को ये बड़ा झटका माना जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने सीएम डॉ. मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा, पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान, कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा के सामने प्रदेश कार्यालय में भाजपा जॉइन की। सूत्रों की मानें तो सुरेश पचौरी की भाजपा नेताओं से बातचीत चल रही थी।

भगवान सुरेश पचौरी जी का भला करें, भार उतरा

पचौरी के बीजेपी जॉइन करने पर बोले पीसीसी चीफ

जीतू पटवारी-उमंग सिंघार ने साथ में की प्रेस कॉन्फ्रेंस

भोपाल। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के सीनियर लीडर सुरेश पचौरी, पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी, पूर्व विधायक संजय शुक्ला, विशाल पटेल सहित कई कांग्रेस नेताओं ने शनिवार को बीजेपी जॉइन कर ली। इसके बाद प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पचौरी के बीजेपी में शामिल होने पर जीतू पटवारी ने कहा- नेता जाता है, लेकिन कार्यकर्ता और वोटर नहीं जाते। कोई एक व्यक्ति पार्टी के खिलाफ जाता है। हमारा सबका दायित्व है उनसे बात करें, संवाद करें। समझाने की कोशिश भी करें। अगर बातचीत से समाधान हो सकता है तो विचार-विमर्श के साथ समाधान भी ढूंढ़ते हैं।

कान खोलकर सुन लो गाली देने वालों...

सेला सुरंग का उद्घाटन कर कांग्रेस पर जमकर बरसे मोदी

पीएम बोले- कांग्रेस ने नॉर्थ ईस्ट को हमेशा ही किया निगलेक्ट

● नॉर्थ ईस्ट में वोट बैंक न होने से कांग्रेस ने नहीं दी प्राथमिकता

ईटानगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्वोत्तर में 55,600 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस योजना में सेला सुरंग भी शामिल है जो तवांग को हर मौसम में संपर्क सेवा मुहैया कराएगी। इस अवसर पर पीएम मोदी ने रैली को संबोधित किया और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। पीएम ने कहा कि कांग्रेस ने सरकार में नॉर्थ ईस्ट सबसे ज्यादा नजरअंदाज किया गया। यहां पर काम सबसे बाद में होता था लेकिन आज सूरज की पहली रोशनी की तरह सबसे पहले यहां योजनाएं लागू होती हैं। मोदी ने कहा कि नॉर्थ ईस्ट की

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का भी काम बीजेपी सरकार ने किया है। पीएम ने कहा कि जब कांग्रेस सरकार को यहां इंफ्रास्ट्रक्टर डिवेलप करना चाहिए था, तब वह घोटाले कर रहे थे। अपने लोगों को कमजोर रखना, अपनी सेना को कमजोर रखना ही कांग्रेस का काम रहा है। कांग्रेस को लगता था कि यहां दो लोकसभा सीटे हैं, उनके लिए इतना काम क्यों करना लेकिन मोदी ऐसा नहीं सोचता है। पीएम ने कहा कि 2019 में मैंने यहीं से सेला सुरंग का शिलान्यास किया था और आज उसका उद्घाटन कर रहा हूं। यह मोदी की गारंटी है। डोनी पोलो एयरपोर्ट का शिलान्यास भी 2019 में किया था और आज एयरपोर्ट सेवाएं दे रहा है। जब मैं काम कर रहा हूं तो इंडी के नेताओं ने मोदी पर हमले बढ़ा दिए हैं। पूछ रहे हैं कि मोदी का परिवार कौन है। कान खोलकर सुन लो गाली देने वालों, यह मोदी का परिवार है। यह परिवारवादी सिर्फ अपने परिवार का ध्यान देते हैं। जहां वोट नहीं, वहां ध्यान नहीं देते हैं, यही कारण है कि नॉर्थ ईस्ट का विकास नहीं हो पाया। आपके बच्चों की चिंता नहीं की, इन्हें अपने बच्चों की ही चिंता रही।

पीएम मोदी ने असम में लचित बरफुकन की 125 फीट ऊंची प्रतिमा का किया अनावरण

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को असम के जोरहाट जिले में 16वीं सदी के अहोम साम्राज्य के सेनापति लचित बरफुकन की 125 फीट ऊँची प्रतिमा का अनावरण किया। पीएम मोदी ने होल्लोंगापार में लचित बरफुकन मैदम विकास परियोजना में स्टैच्यू ऑफ वैलर का अनावरण किया, जो जिले के टेओक क्षेत्र के करीब है।

प्रधानमंत्री अरुणाचल प्रदेश से हेलीकॉप्टर से जोरहाट पहुँचे। वह पारंपरिक पोशाक और टोपी पहने हुए थे। अहोम रीति-रिवाज से मूर्ति अनावरण का अनुष्ठान हुआ। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के साथ मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा भी मौजूद थे।

इस 84 फीट ऊँची प्रतिमा का निर्माण राम वनजी सुतार ने किया है। इसके बेस की ऊँचाई 41 फीट है। इस तरह पूरी संरचना की ऊंचाई 125 फीट है। फरवरी 2022 में तत्कालीन राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने प्रतिमा की नींव रखी।

पीएम मोदी ने असम के काजीरंगा में जंगल सफारी की, हाथी पर नेशनल पार्क घूमे

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम दौरे के दूसरे दिन शनिवार सुबह काजीरंगा नेशनल पार्क पहुंचे। उन्होंने सुबह करीब 5 से 6 बजे के बीच हाथी पर बैठकर जंगल सफारी की। इसके बाद जीप से नेशनल पार्क का भ्रमण भी किया। मोदी ने जंगल सफारी के दौरान तस्वीरें खींचीं। उन्होंने हाथी को गन्ना भी खिलाया।

चीन की मदद से ब्रिक्स का सदस्य बनना चाहता है पाकिस्तान

राष्ट्रपति पुतिन ने दिया तगड़ा झटका, भारत भी कर रहा है विरोध

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ब्रिक्स देशों के समूह में शामिल होना चाहता है, इसके लिए उसकी ओर से इसके लिए बीते साल आधिकारिक तौर पर आवेदन भी किया जा चुका है। पाकिस्तान की नजर इस साल होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में सदस्यता हासिल करने पर है। ये सम्मेलन रूस के कजान शहर में अक्टूबर मे होने जा रहा है। पाकिस्तान के आवेदन को चीन से समर्थन मिल रहा है लेकिन संगठन के दो और स्थायी सदस्यों भारत और रूस का रुख पाकिस्तान के लिए नरम नहीं है। ऐसे में चीन की कोशिश के बावजूद भारत और रूस की वजह से पाकिस्तान की कोशिशें बेकार होती दिख रही हैं। रूस का

रुख खासतौर से अहम है क्योंकि उसके पास इस समय ब्रिक्स प्रेसीडेंसी है। रूस ब्रिक्स में शामिल होने की पाकिस्तान की इच्छा के बारे में उदासीन दिख रहा है। ब्रिक्स का विस्तार 2023 में किया गया है और निकट भविष्य में नए विस्तार की संभावना नहीं है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, किसी नए सदस्य को शामिल करने के किसी भी कदम के लिए मौजूदा सदस्यों के बीच सर्वसम्मति की आवश्यकता होती है। फिलहाल पाकिस्तान की सदस्यत कोई सहमति नहीं है। पाकिस्तान नई उभरती अर्थव्यवस्थाओं के समूह में फिट नहीं बैठता है। ब्रिक्स दुनिया की पांच बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं भारत, ब्राजील, चीन, रूस और दक्षिण अफ्रीका का समूह है। ब्रिक्स के सदस्य देशों में दुनिया की 40 फीसदी आबादी रहती है और ये देश दुनिया की करीब एक तिहाई अर्थव्यवस्था क प्रतिनिधित्व करते हैं। पाकिस्तान की ख्वाहिश भी इस मजबूत संगठन का हिस्सा बनने की है। पाकिस्तान का ध्यान खासकर चीन और रूस के समर्थन की ओर अधिक है। खासतौर से चीन बीते कुछ साल में पाकिस्तान का सबसे बड़ा आर्थिक सहयोगी बनकर उभरा है। कई साझा प्रोजेक्ट दोनों देशों के बीच चल रहे हैं। पाकिस्तान अगर ब्रिक्स का सदस्य बनता है, तो चीन के साथ उसके खास रिश्ते को देखते हुए साफ है कि इससे चीन का फायदा ही होगा। चीन का इससे ब्रिक्स में दबदबा बढ़ेगा। भारत से चीन और पाकिस्तान दोनों से ही तनावपूर्ण संबंध दुनिया से छुपे नहीं हैं।

पावर जनरेटिंग कंपनी का प्रथम सोलर ऊर्जा संयंत्र लोकार्पित

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से किया लोकार्पण

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शनिवार को मंदसौर जिले के रातागुराडिया स्थित मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कम्पनी के सात मेगावाट सोलर ऊर्जा संयंत्रों का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लोकार्पण किया। इन संयंत्रों के निर्माण में लगभग 42 करोड़ रुपये की लागत आयी एवं इनसे प्रतिवर्ष लगभग सवा करोड़ यूनिट विद्युत उत्पादन होना अनुमानित है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बधाई देते हुए कहा कि पावर जनरेटिंग कंपनी नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी बेहतर कार्य कर बिजली का उत्पादन बढ़ाएगी। रातागुराडिया सोलर ऊर्जा संयंत्र मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कम्पनी का प्रथम सोलर संयंत्र है। इससे पूर्व मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कम्पनी केवल कोयले एवं जल आधारित विद्युत गृहों से बिजली का उत्पादन कर रही थी। समय की जरूरत को देखते हुए अन्य सोलर संयंत्रों को भी कंपनी के वर्तमान में क्रियाशील ताप विद्युत गृहों की रिक्त भूमि पर अतिशीघ्र स्थापित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव ऊर्जा मनु श्रीवास्तव, मध्यप्रदेश पावर ट्रान्समिशन कम्पनी के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी, मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह एवं सभी विद्युत गृहों के वरिष्ठ अभियंता, राज्य के जल संसाधन विभाग एवं मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के अभियंता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल हुए।

आईएएस और राज्य प्रशासन सेवा के अधिकारियों समेत 66 के ट्रांसफर

बड़े पैमाने पर तबादलों से मप्र में मचा हड़कंप

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन ने शनिवार को दो आईएएस और 64 राज्य प्रशासन सेवा के अफसरों के तबादले किए हैं। बंपर ट्रांसफर लिस्ट ने

मध्यप्रदेश की ब्यूरोक्रेसी में जबरदस्त हलचल मचा दी है। इसमें सबसे बड़ा नाम आईएएस बिदिशा मुखर्जी का है। अभी तक वे एमपी हाउसिंग बोर्ड में सीईओ थीं। अब उनको मप्र पर्यटन विकास बोर्ड में अपर प्रबंध संचालक के रूप में पदस्थ किया गया है। इसी तरह अशोकनगर के अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे को अपर कलेक्टर बालाघाट पदस्थ किया गया है। महाकालेश्वर मंदिर उज्जैन के प्रशासन संदीप सोनी को निवाड़ी जिले का अपर कलेक्टर बनाया गया है। लंबे समय से सीएम सचिवालय में पदस्थ रहे उप सचिव महीप तेजस्वी को सतना में जिला पंचायत सीईओ बनाया गया है।

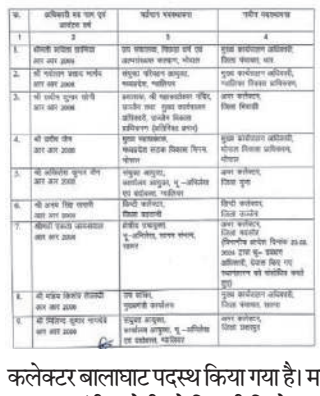

प्रदेश के मंत्रालय की पांचवीं मंजिल पर लगी भीषण आग

बुझाने बिल्डिंग पर चढ़े सेना के जवान, 3 घंटे बाद पाया काबू

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में मंत्रालय वल्लभ भवन के गेट नंबर 5 और 6 के बीच बड़ी बिल्डिंग की पांचवीं मंजिल पर शनिवार सुबह करीब 9.30 बजे आग लग गई। देखते ही देखते आग चौथी और तीसरी मंजिल पर भी फैल गई। भोपाल, रायसेन, विदिशा के अलावा एयरपोर्ट, भेल और सेना की 100 से अधिक दमकलें और टैंकर आग बुझाने में जुटे रहें। इस दौरान सेना के जवानों ने बिल्डिंग पर चढ़कर आग बुझाई। इस दौरान एक जवान की आंख में चोट लग गई। मौके पर 200 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। 3 घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस जांच कर रही है। महीने का दूसरा शनिवार होने की वजह से बिल्डिंग में ज्यादा कर्मचारी नहीं थे। बिल्डिंग में फंसे पांचों कर्मचारी को बाहर निकाल लिया गया। 2 कर्मचारियों को अस्पताल ले जाया गया। इधर, आग की सूचना पर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी भी वल्लभ भवन पहुंच गए। लेकिन, पुलिस ने उन्हें आगे जाने से रोक दिया। इससे नाराज होकर पटवारी वल्लभ भवन के सामने धरने पर बैठ गए। उन्होंने कहा- यह सरकारी आग है, जानबूझ लगाई गई है।

ग्वालियर - शादी से लौट रही महिला के बैग से गहनों से भरा टिफिन टेम्पो से चोरी

ग्वालियर। ग्वालियर में शादी से लौट रही एक महिला के बैग से कीमती गहने चोरी हो गए। महिला ने जेवरात को एक स्टील के टिफिन में बंद कर उसे बैग में रख लिया था। जब वह कंपू में केआरजी कॉलेज के सामने टेम्पो से उतरी उसे बैग हल्का लगा। महिला ने खोलकर चेक किया तो गहने चोरी हो चुके थे। महिला ने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक शिवपुरी के सीहोर इलाके में रहने वाली 24 वर्षीय प्रियंका गुर्जर, अपने पति हरेन्द्र गुर्जर के साथ दो दिन पहले इटावा उत्तर प्रदेश में एक रिश्तेदार के यहां विवाह समारोह में शामिल होने आई थीं। लौटते समय प्रियंका पहले ग्वालियर गोला का मंदिर अपने मायके आई। यहां माता-पिता से मिलने के बाद वह शिवपुरी जाने के लिए कंपू स्थित वीडियो कोच बस स्टैंड के लिए निकली थी। कंपू से उनको शिवपुरी के लिए बस लेनी थी। दंपति गोला का मंदिर से कंपू के लिए विक्रम टेम्पो में सवार हुए थे। प्रियंका और उसका पति हरेन्द्र एक सीट पर न बैठते हुए आमने-सामने बैठे थे। प्रियंका की सीट पर तीन अन्य महिलाएं बैठी थीं। विक्रम टेंपो में बैग प्रियंका अपने पास रखे हुए थी। जब वह केआरजी कॉलेज के बाहर टेंपो से उतरे तो प्रियंका को बैग कुछ हल्का सा नजर आया। उसने वहीं बैग खोला तो पता लगा कि अंदर गहनों से भरा रखा स्टील का टिफिन चोरी हो चुका था। जिसमें लगभग 12 तोला सोना रखा था। इसके बाद प्रियंका ने शोर भी मचाया और फिर मामले की सूचना कंपू पुलिस को दी। प्रियंका ने पुलिस को बताया कि शादी में जेवरात पहनने के बाद उसने अपने मायके से आते समय उनको एक टिफिन में बंद कर बैग में अंदर कपड़ों के बीच रख दिया था।

महिला ने बताया कि उसके टिफिन में एक बड़ा हार जो लगभग साढ़े चार तोला, छोटा हार ढाई तोला, चार चूड़ी दो तोला, चार अंगूठी डेढ़ तोला, बाजूबंद एक तोला, एक पेण्डल सोने का रखा हुआ था। यह गहने वजन में लगभग 12 तोला थे। इस मामले में कंपू थाना प्रभारी विनोद कुमार छावई ने बताया कि एक महिला की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। चोरों पता लगाने के लिए सीसीटीव्ही कैमरे खंगाले जा रहे हैं, जल्द ही चोरों को पकड़ लिया जाएगा।

डॉ.धनंजय वर्मा एवं मुनव्वर राना की स्मृति में आयोजन

इंदौर। हाल ही में हिंदी और उर्दू के दो बड़े लेखक नहीं रहे। डॉ. धनंजय वर्मा ने हिंदी साहित्य की आलोचना को नयी धार दी थी और मुनव्वर राना इंसानी जज़्बातों के लोकप्रिय शायर थे।प्रगतिशील लेखक संघ की इंदौर इकाई और स्टेट प्रेस क्लब द्वारा इन दोनों शख़्सियतों की याद में 10 मार्च की सांय 4 बजे अभिनव कला समाज, गांधी हाल प्रांगण में एक आयोजन किया जा रहा है। प्रलेसं इकाई सचिव हरनाम सिंह एवं स्टेट प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल ने बताया कि डॉ. धनंजय वर्मा जी की रचनात्मकता और उनके जीवन पर अपने विचार रखेंगे म.प्र. प्रगतिशील लेखक संघ अध्यक्ष राज्य अध्यक्ष मंडल के सदस्य और वरिष्ठ पत्रकार श्री शैलेन्द्र शैली तथा वरिष्ठ साहित्यकार प्रोफ़ेसर रेखा कस्तवार (भोपाल) प्रोफ़ेसर शोभना जोशी (इंदौर)। मुनव्वर राना जी की शायरी और शख़्सियत पर बात रखेंगे उर्दू साहित्य के वरिष्ठ साहित्यकार प्रोफ़ेसर अज़ीज़ इरफ़ान, प्रगतिशील लेखक संघ की इंदौर इकाई के अध्यक्ष और शायर प्रोफ़ेसर ज़ाकिर हुसैन और वरिष्ठ पत्रकार एवं हिंदी - उर्दू के अनुवादक जावेद आलम। आयोजकों ने प्रबुद्ध जनों से कार्यक्रम में शिरकत करने का अनुरोध किया है।

आगामी सभी त्यौहार आपसी सौहार्द, एकता एवं भाईचारे के साथ शांतिपूर्ण रूप से मनाए जाएंगे - कलेक्टर

इंदौर। इंदौर जिले में आगामी त्यौहारों के दौरान विभिन्न प्रशासनिक व्यवस्थायें करने और शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से चर्चा के लिए शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर कार्यालय में संपन्न हुई इस बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी आशीष सिंह ने की। इस बैठक में सभी ने मिलकर तय किया कि इंदौर की गौरवशाली परम्परा को कायम रखते हुये आगामी सभी त्यौहार आपसी सौहार्द, एकता एवं भाईचारे के साथ शांतिपूर्ण रूप से मनाए जाएंगे। बताया गया कि त्यौहारों के दौरान बिजली, पानी,साफ-सफाई आदि की विशेष व्यवस्थायें की जायेंगी। बैठक में कलेक्टर सिंह ने कहा कि त्यौहारों के दौरान हर हाल में शांति एवं कानून-व्यवस्था कायम रखी जायेगी। यह सुनिश्चित किया जायेगा कि सभी त्यौहार सभी लोग हर्षोल्लास के साथ मनायें। उन्होंने कहा कि त्यौहारों के दौरान बिजली, पानी,साफ-सफाई आदि की विशेष व्यवस्थायें रहेंगी। बैठक में एडिशनल पुलिस कमिश्नर मनोज श्रीवास्तव ने सुरक्षा प्रबंधों की जानकारी दी। बैठक में आगामी त्यौहारों के दौरान प्रशासनिक व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरूस्त बनाये रखने के संबंध में शांति समिति के सदस्यों से सुझाव लिये गये।

पूर्व सीएम शिवराज भी पहुंचे, बोले- दर्शन-पूजन कर मानवता के कल्याण की प्रार्थना की

महाशिवरात्रि पर कुबेरेश्वर धाम में 10 लाख भक्त पहुंचे

सीहोर (निप्र)। सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में शिवरात्रि पर देशभर से 10 लाख से ज्यादा भक्त पहुंचे। सात दिनों रुद्राक्ष महोत्सव और शिव पुराण कथा सुनने श्रद्धालु की ऐसी भीड़ उमड़ी कि रात में ही पंडाल और डोम फुल हो गए। सुबह से शाम तक भक्तों के आने का सिलसिला जारी रहा। जिस कारण पंडाल के बाहर भी खड़े होने की जगह नहीं मिल रही थी। विद्युलेश सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित महारुद्राभिषेक में पूर्व सीएम शिवराज चौहान मंत्री विश्वास सारंग के साथ शामिल हुए। उन्होंने कुबेरेश्वर धाम में पूजा-अर्चना किया। उन्होंने कहा कि महादेव देवो के देव हैं। वे काल के विजेता और त्रिकालदर्शी हैं। उनकी कृपा दृष्टि समस्त संसार पर बरसती रहे। आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। साथ ही दर्शन-पूजन कर मानवता के कल्याण की प्रार्थना की। उनके साथ मंत्री विश्वास सारंग ने भी बाबा के दर्शन किए।

कुबेरेश्वर धाम पर मध्य प्रदेश के अलावा उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, राजस्थान, ओड़िशा सहित अन्य प्रदेशों से लोग पहुंचे। राजस्थान से हनुमागढ़ से आए एक श्रद्धालु का कहना है कि वो पहली बार यहां आए हैं उन्होंने अपने परिवार की सुख शांति के लिए मन्नत मांगी थी और अब वो यहां दर्शन करने आए हैं। श्रद्धालु का कहना है कि यहां कि व्यवस्थाएं अच्छी है, उन्हें किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हुई। विदिशा जिले के सिरोंज से आए श्रद्धालु प्रदीप कुमार सेन का कहना है कि वो दो दिन पहले धाम पहुंचे थे ये सोचकर की उन्हें जगह की परेशानी नहीं होगी, पर यहां तो 2 दिन पहले से ही लाखों लोग पहुंच चुके थे। शिवरात्रि पर 10 से 12 लाख लोग यहां आए।

कंकड़ की पूजा की

कुबेरेश्वर धाम में भगवान शंकर के साथ यहां के कंकड़ की भी श्रद्धालुओं पूजा की। कंकड़ों से मंदिर की आकृति बनाकर वहां पूजा सामग्री से विधि विधान के साथ अपनी मनोकामना की पूर्ति की कामना की।

लोगों ने की ऑटो ड्राइवर की पिटाई

महा शिवरात्रि के मौके पर लाखों भक्तों के कुबेरेश्वर धाम पहुंचने पर कुछ अराजकतत्व भी एक्टिव थे। ऐसे में बाहर से आई श्रद्धालु महिलाओं के स्टेशन के कोने में स्नान करते हुए एक ऑटो चालक ने वीडियो बना लिया था। ऑटो वाले की इस हरकत पर लोगों की नजर पड़ गई। लोगों ने उसे पकड़कर उसकी पिटाई कर उसके ऑटो में तोड़फोड़ कर दी थी। इसके बाद लोगों ने ऑटो चालक को आरपीएफ के हवाले कर दिया।

18 की उम्र तक मुफ्त शिक्षा देने से 2030 तक हो सकता है बाल विवाह का खात्मा

रायसेन (निप्र)। अठारह वर्ष की उम्र तक सभी बच्चों को अनिवार्य और मुफ्त शिक्षा से 2030 तक देश से बाल विवाह के खात्मे में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। 18 वर्ष से पहले पढ़ाई छोड़ने और बाल विवाह में एक सीधा और स्पष्ट अंतरसंबंध है। प्रदेश में बाल विवाह के खात्मे के लिए कृषक सहयोग संस्था के पदाधिकारियों ने विश्व महिला दिवस के मौके पर किले की पहाड़ी पर हस्ताक्षर अभियान चलाया। साथ ही मेले में पहुंचे लोगों को अपने बेटे-बेटी की शादी कम उम्र में नहीं करने का संकल्प भी दिलाया। कार्यक्रम में पुरुजीत प्रहराज ने कहा, ÷यद्यपि केंद्र व राज्य सरकारें, दोनों ही बाल विवाह के खात्मे के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति और गंभीरता से काम कर रही हैं, फिर भी यदि मौजूदा शिक्षा का अधिकार कानून में बदलाव कर 18 वर्ष तक शिक्षा अनिवार्य और निशुल्क कर दी जाए तो यह बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई में प्रयासों को नई गति दे सकता है। मेले में पहुंचे लोगों ने अपने हस्ताक्षर करके बाल विवाह रोकने पर सहमति जताई। बाल विवाह रोकने के लिए दृढ़ संकल्प की जरूरतः बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के सहयोगी संगठन कार्यरत कृषक सहयोग संस्थान के निदेशक डॉ. एचबी सेन ने कहा कि यद्यपि केंद्र व राज्य सरकार ने इस सामाजिक अपराध के खात्मे में प्रशंसनीय इच्छाशक्ति व गंभीरता दिखाई है, फिर भी बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई को धार देने के लिए कुछ और अहम कदम उठाने की दरकार है।

उद्यानकी फसलों की पैधवार को देखने जिले के 50 किसानों का दल राज्य बाहर भ्रमण करेगा

सीहोर (निप्र)। जिला उद्यानकी एवं खाद्य संस्करण विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी मिशन योजना अंतर्गत जिले के 50 किसानों का दल राज्य के बाहर भ्रमण के लिए कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर कृषकों के दल को राज्य के बाहर पांच दिवसीय कृषक भ्रमण कार्यक्रम के तहत रवाना किया गया। जिलें के किसान अन्य राज्यों में उद्यानकी फसल पैधावार एवं उन्नत खेती के तौर तरिके या कहे कि उद्यानकी फसलों में और अधिक मुनाफा अधिक पैदावार के लिए जिले के 50 किसानों का दल राजय के बाहर भ्रमण के लिए भेजा गया जिसमें जिले के उद्यान की फैसले करने वाली कृषक शामिल है।

सांसद वीडी शर्मा ने कटनी में 21 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

कटनी। भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने जो विकास कार्य किये हैं, उतने काम किसी और सरकार ने नहीं किये। भाजपा सरकार ने पूरे खजुराहो लोकसभा में उन कार्यों को किया जिसकी कभी यहां के लोगों ने कल्पना भी नहीं की थी। हाल ही में रेल मंत्रालय ने हजरत निजामुद्दीन और खजुराहो के बीच वंदे भारत ट्रेन चलाने की घोषणा की है, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। यह बात कटनी में नगर निगम अंतर्गत 21 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का भूमि पूजन करते पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कही।

मेडिकल कालेज स्थापना का वादा भी पूरा होगा

प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि कटनी में मेडिकल कालेज स्थापना का वादा भी पूरा होने वाला है। इसकी विभागीय औपचारिकता पर तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने कटनी में ई-लाइब्रेरी की स्थापना के लिए प्रशासन और भाजपा जनप्रतिनिधियों को बधाई दी साथ ही लोगों से आव्हान किया कि कटनी को स्वच्छ शहर बनाना हम सब का लक्ष्य होना चाहिए। इंदौर की भांति कटनी शहर को हम सब मिलकर स्वच्छ बनाने का संकल्प लें।

भोपाल स्थित BHEL में झुग्गी बस्तियों को तोड़ने का नोटिस, दिग्विजय सिंह ने मौके पर पहुंचकर कलेक्टर को दी हिदायत

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित ब्लाश्वरुके पिपलानी इलाके में झुग्गी बस्तियों को तोड़ने की योजना है। यहां सड़क को चौड़ा करने के लिए करीब सौ झुग्गियों को तोड़ने का आदेश जारी किया गया है। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने शनिवार को मौके पर पहुंचकर प्रभावितों से मुलाकात की।

दिग्विजय सिंह को स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क को चौड़ा करने के लिए प्रशासन ने उनके घर तोड़ने का आदेश दिया है। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री ने भोपाल कलेक्टर को हिदायत देते कहा कि पहले प्रभावितों की पुनर्स्थापना की जाए। उसके बाद ही बस्तियों को तोड़ा जाएगा।

गोविंदपुरा विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी रहे रविंद्र साहू झुमरवाला ने बताया कि पिपलानी इलाके में 60 क्वार्टर के पास सड़क को चौड़ा करने की योजना है। सड़क के दोनों साइड झुग्गियों को मिलाकर करीब सौ परिवार रहते हैं। कांग्रेस लगातार उनके पुनर्स्थापना की मांग कर रही है। शनिवार को पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह हमारे बीच पहुंचे और प्रभावितों को आश्वासन दिया की वे उनके साथ खड़े हैं। सिंह से बातचीत के दौरान भोपाल कलेक्टर ने वादा किया है कि पहले उन्हें विस्थापित करेंगे उसके बाद कोई कार्रवाई होगी।

अचल संपत्तियों की गाइडलाइन तय करने की प्रक्रिया पूरी

800 से अधिक कॉलोनियों की गाइडलाइन बढ़ाने की अनुशंसा

इंदौर। पंजीयन विभाग ने अगले वित्त वर्ष के लिए अचल संपत्तियों की गाइडलाइन तय करने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। जिला मूल्यांकन समिति में 800 से अधिक उन स्थानों की गाइडलाइन बढ़ाने की अनुशंसा की है, जहां पर इस वित्त वर्ष में सबसे अधिक जमीनों के सौदे हुए और रजिस्ट्रियां भी हुई। वहीं दो दर्जन से अधिक नई कॉलोनियों को भी शामिल करने के आवेदन प्राप्त हुए हैं।

11 मार्च को भोपाल में केन्द्रीय मूल्यांकन समिति की बैठक होना है, जिसमें इंदौर सहित अन्य जिलों से प्राप्त प्रस्तावों पर निर्णय होंगे। जिला पंजीयन कार्यालय द्वारा इंदौर की प्रस्तावित गाइडलाइन को लेकर जो अनुशंसाएं के प्रस्ताव भोपाल मुख्यालय भेज दिए गए है। 11 मार्च की बैठक में तय होगा कि किन क्षेत्रों में कितनी गाइडलाइन बढ़ाई गई है अथवा नहीं, क्योंकि लोकसभा चुनाव के चलते यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि गाइडलाइन में अधिक परिवर्तन फिलहाल न हो।

वरिष्ठ जिला पंजीयक के अनुसार गत वर्ष जहां पूरे वित्त वर्ष में 2084 करोड़ का राजस्व मिला था, तो इस वित्त वर्ष में फिलहाल ही 2100 करोड़ रुपए से अधिक राजस्व मिल चुका है। अभी शनिवार और रविवार की छुट्टियों में भी रजिस्ट्रियां होंगी। सिर्फ होली के दिन ही अवकाश रहेगा। साथ ही सभी उपजिला पंजीयकों के स्लॉटों की संख्या भी 59 से बढ़ाकर 72 कर दी है। यानी रोजाना 700 से अधिक रजिस्ट्रियां हो सकेंगी। वैसे भी मार्च के माह में सर्वाधिक रजिस्ट्रियां होती हैं, क्योंकि 1 अप्रैल से बढ़ी हुई गाइडलाइन लागू हो जाती है। वहीं सम्पदा सॉफ्टवेयर पाइंट-2 के अपडेशन को भी आगामी वित्त वर्ष से अपनाए जाने के प्रयास चल रहे हैं, जिसमें कई सुविधाएं मिलेंगी।

विश्राम गृह में शिवलिंग की पूजा के दौरान टेंट के ऊपर फेंके टाइल्स

रायसेन (निप्र)। सिलवानी तहसील के कस्बा बम्होरी में महाशिवरात्रि को लेकर परंपरा के तहत थाना परिसर से सुबह 6 बजे शिवलिंग की प्रतिमा को पुलिस अभिरक्षा में विश्राम गृह ले जाया गया। वहां परिसर में लगे टेंट में दर्शन के लिए विराजित कर दिया गया। सुबह से ही पुलिस की मौजूदगी में श्रद्धालु वहां शांति के साथ दर्शन व पूजन कर रहे थे। दोपहर 1 से 1.30 बजे के बीच टूटे हुए टाइल्स के टुकड़े शिवलिंग के टेंट के ऊपर फेंक कर व्यवधान उत्पन्न किया गया। इस तरह व्यवधान किए जाने को लेकर हिंदू संगठन और कस्बे के लोगों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने बाजार बंद कर दिया। साथ ही सैकड़ों लोग आरोपियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर बम्होरी थाने का घेराव करने पहुंचे। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीओपी अनिल मौर्य और आसपास के थाना प्रभारी भी वहां पहुंच गए थे। इसके बाद अज्ञात के खिलाफ थाने में आईपीसी की धारा 295 ए और 336 के तहत मामला दर्ज किया गया। आक्रोशित लोग चार आरोपियों पर गंभीर धाराओं के तहत नामजद मामला दर्ज करने की मांग कर रहे थे। ऐसा न किए जाने पर वे थाने के सामने स्टेट हाइवे 15 पर जाकर बैठ गए और चक्काजाम कर दिया। मौके पर पूर्व मंत्री रामपाल सिंह राजपूत भी पहुंच गए। उन्होंने इस समस्या का हल निकालने की बात कही।

इसके बाद लोग शाम 5.15 बजे चक्काजाम समाप्त कर वापस विश्राम गृह पहुंच गए और वहां धरना शुरु कर दिया। बाद में कोई हल न निकलते देख मौके पर कलेक्टर अरविंद दुबे और एसपी विकास शाहवाल भी पहुंच गए और लोगों को समझाइश देते रहे।

मध्य प्रदेश मीडिया संघ जिला कार्यालय पर असामाजिक तत्वों द्वारा की गई तोड़फोड़

पूर्व में भी हो चुकी है दो बार घटना, नहीं जागा पुलिस प्रशासन

खंडवा। मध्य प्रदेश मीडिया संघ के जिला कार्यालय खंडवा पर असामाजिक तत्वों द्वारा विगत रात्रि में की तोड़ फोड़ से पत्रकार जगत में आक्रोश व्याप्त है। घटना की जानकारी जिला पुलिस अधीक्षक महोदय के नाम से पत्रकारों, विधिक जागरूकता सामाजिक समिति एवं दिव्यांग गतिविधि समिति के सदस्यों द्वारा सयुंक्त रूप से एक ज्ञापन सौप कर दी गई। यह जानकारी देते हुए मध्य प्रदेश मीडिया संघ जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश युवा इकाई प्रदेश अध्यक्ष श्याम शुक्ला ने बताया कि विगत रात्रि एसएन कॉलेज के सामने शहीद सीताराम हाकर झोंन स्थित जिला मीडिया संघ कार्यालय पर असामाजिक तत्वों द्वारा शराब के नशे में तोड़फोड़ की गई। श्री शुक्ला ने बताया कि यह स्थान असामाजिक तत्वों का अड्डा बना हुआ है जिसकी सूचना पूर्व में भी पुलिस प्रशासन को दी गई है और विगत कुछ माह पूर्व भी जिला मीडिया कार्यालय पर तोड़फोड़ एवं आगजनी की घटना घटित हुई थी। किंतु आज दिनांक तक आरोपियों का पता पुलिस को नहीं चल पाया है।

घटना की सूचना देने पर कोतवाली टीआई द्वारा घटना को गंभीरता से ना लेते हुए मध्य प्रदेश मीडिया संघ एवं युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष श्याम शुक्ला से बदतमीजी करते हुए कहा गया कि तुम बकवास बंद करो। जिसे लेकर मीडिया संघ शनिवार दोपहर 4 बजे जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एक ज्ञापन के माध्यम से घटना की जानकारी देते हुए शीघ्र ही टीआई कोतवाली के निलंबन की भी मांग करते हुए। इस घटना पर तत्काल पुलिस को विशेष सुरक्षा और घटना स्थल पर विशेष गस्त करने को कहा जाए, साथ ही घटना को गंभीरता से न लेते हुए कोतवाली थाना प्रभारी द्वारा शिकायतकर्ता को बकवास करने की बात कही गई है। जिसे देखते हुए भी थाना प्रभारी पर कार्रवाई की जाए और ऐसा ना किया गया तो पत्रकार संघ द्वारा थाना कोतवाली में भूख हड़ताल की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन का भी सहारा लिया जाएगा इसी आशय का ज्ञापन आज जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में माननीय डीएसपी जिला मुख्यालय खंडवा को पत्रकार संघ विधिक जागरूकता सामाजिक समिति और दिव्यंग सेवा शक्ति समिति के संयुक्त सदस्यों द्वारा दिया गया और तत्काल समुचित कार्रवाई की मांग की गई।

इस अवसर पर ज्ञापन देते समय जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बड़ी संख्या में पत्रकार बंधु, विधिक जागरूकता सामाजिक समिति के सदस्य और दिव्यांग गतिविधि शक्ति संगठन के सदस्य और अन्य कई पीड़ित उपस्थित थे।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

इंदौर, रविवार 10 मार्च , 2024

जवाहर मार्ग से चंद्रभागा के दूसरे चरण का काम शुरू करने की तैयारी

इंदौर। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत जवाहर मार्ग से चंद्रभागा को जोडऩे वाली महत्वपूर्ण सडक़ का काम पहले चरण में पूरा कर लिया गया है। हालांकि वहां मंदिर के आसपास के हिस्सों की बाधाएं हटाना बाकी हैं। वहीं दूसरी ओर अब दूसरे चरण के लिए तैयारी चल रही है। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अफसरों ने वहां दौरा कर रहवासियों से चर्चा भी की है।कुछ दिनों पहले उक्त मार्ग के पहले चरण की बाधाओं को लेकर क्षेत्रीय विधायक और पार्षद के साथ स्मार्ट सिटी अफसरों ने दौरा किया था और मंदिर की बाधाएं हटाने को लेकर सहमति बन गई थी, लेकिन मंदिर के पिछले हिस्से में कुछ निर्माणों को तोडक़र वहां से सडक़ निकाले जाने पर सहमति हुई थी, लेकिन अब इसमें भी दिक्कतें खड़ी हो रही हैं, क्योंकि कई लोगों के मकानों के हिस्से और अधिक चपेट में आ रहे हैं। रहवासियों ने पहले ही अपने मकानों के काफी बाधक हिस्से हटा लिए थे और अब फिर से बाधक हिस्सों को लेकर अफसरों ने चर्चा की तो वह सहमत नहीं हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर स्मार्ट सिटी के अफसर जवाहर मार्ग से चंद्रभागा की सडक़ के दूसरे चरण में हनुमान मंदिर पुल के समीप से पागनीसपागा तक सडक़ के लिए सर्वे और बाधक हिस्सों को लेकर मंथन में जुटे हैं। अफसरों का कहना है कि वहां भी जल्द ही काम शुरू कराए जाने की तैयारी है।

वोटर हेल्पलाइन नंबर जारी

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं की सुविधा के लिए वोटर हेल्पलाइन नंबर 1950 जारी किया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अमन मिश्रा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के ऑनलाइन पोर्टल पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। कोई भी नागरिक किसी भी समय कोई भी प्रश्न निशुल्क पूछ सकता है या फिर शिकायत दर्ज कर सकता है।

निर्माण के साथ तेजी से हो रहा है पटरी बिछाने का काम

इंदौर। ओंकारेश्वर रोड रेलवे स्टेशन का इंदौर से टूटा रेल संपर्क जुडऩे में भले ही अभी चार-पांच साल लग जाएं, लेकिन 2024 में यह निर्माणाधीन स्टेशन खंडवा और सनावद से जुड़ जाएगा। अभी सनावद से ओंकारेश्वर रोड स्टेशन के बीच रेल लाइन बिछाने का काम तेजी से हो रहा है। पांच किलोमीटर लंबा यह हिस्सा बारिश से पहले तैयार हो जाएगा। हालांकि ओंकारेश्वर रोड का नया रेलवे स्टेशन बनने में अभी कम से कम छह-सात महीने और लगेंगे। वहां प्लेटफॉर्म का काम तो हो रहा है, लेकिन नई स्टेशन बिल्डिंग पूरी तरह बनना बाकी है। ओंकारेश्वर रोड स्टेशन को रेलवे ज्योतिर्लिंग के कारण भव्य स्वरूप में बनाएगा। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि इंदौर से ओंकारेश्वर रोड को बड़ी रेल लाइन से जुडऩे में कम से कम चार-पांच साल तक का समय लग सकता है। इस दुष्कर हिस्से में 21 सुरंगें बनाई जाना हैं, जिनका काम अभी शुरू नहीं हुआ है। इसके अलावा बड़े-बड़े पहाड़ों के बीच में रेल मार्ग बिछाना बेहद चुनौतीपूर्ण काम माना जा रहा है।अफसरों का कहना है कि आगामी मानसून सीजन तक इंदौर से महू होते हुए पातालपानी तक जरूर बड़ी लाइन की ट्रेन चलाई जा सकेगी। इससे पातालपानी-कालाकुंड हेरिटेज ट्रेन में घूमने के इच्छुक लोगों को बड़ी सुविधा होगी, क्योंकि अभी पातालपानी तक आने-जाने के लिए कोई ढंग की सुविधा नहीं है। लोग केवल निजी वाहनों से ही वहां तक आ-जा पाते हैं।

पालदा के श्मशान का प्रसिद्ध भंडारा इस बार मंगलवार को, सुबह से शुरू होगा अभिषेक

इंदौर। पालदा के ऐतिहासिक शिव मंदिर जो श्मशान में स्थित है, उसका भंडारा इस बार मंगलवार को रखा गया है। हर बार महाशिवरात्रि के पूर्व पर विशेष पूजा-अर्चना अभिषेक के साथ-साथ हजारों लोग यहां महाप्रसादी लेने उमड़ते हैं। वैसे तो भगवान महाकाल को भूतभावन भगवान भी कहा जाता है, क्योंकि वे श्मशान में ही निवास करते हैं। पालदा में जब गांव हुआ करता था तब चितावद और पालदा की कांकड़ पर शिव मंदिर की स्थापना की थी। अपने आप में चैतन्य इस शिव मंदिर पर हर साल महाशिवरात्रि पर विशेष पूजा और अभिषेक किया जाता है।चूंकि महाशिवरात्रि पर भी लोग इस मंदिर में दर्शन करने बड़ी संख्या में पहुंचते हैं इसलिए इस दिन यहां भंडारा नहीं किया जाकर बाद में किसी दिन किया जाता है। मालवा कला अकादमी के मनोज वर्मा ने बताया कि इस बार यह भंडारा मंगलवार को रखा गया है। 31 वर्षों से यहां भंडारे और विशेष पूजन-अभिषेक का कार्यक्रम संस्था दरा किया जा रहा है। 12 मार्च को मंदिर में सुबह ये कार्यक्रम शुरू होंगे और दोपहर 1 बजे हवन की पूर्णाहुति होती। शाम को भोजन प्रसादी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 50 हजार लोगों के भोजन की व्यवस्था की गई है। भंडारे का आयोजन मंदिर के सामने रिंग रोड के पास मैदान में होगा।

इस वित्त वर्ष में सबसे अधिक जमीनों के सौदे हुए और रजिस्ट्रियां भी हुई

इंदौर। आगामी वित्त वर्ष के लिए अचल संपत्तियों की जो गाइडलाइन तय की जाना है उसकी प्रक्रिया इंदौर के पंजीयन विभाग ने लगभग पूरी कर ली है। जिला मूल्यांकन समिति में 800 से अधिक उन स्थानों की गाइडलाइन बढ़ाने की अनुशंसा की है, जहां पर इस वित्त वर्ष में सबसे अधिक जमीनों के सौदे हुए और रजिस्ट्रियां भी हुई। वहीं दो दर्जन से अधिक नई कॉलोनियों को भी शामिल करने के आवेदन प्राप्त हुए हैं।11 मार्च को भोपाल में केन्द्रीय मूल्यांकन समिति की बैठक होना है, जिसमें इंदौर सहित अन्य जिलों से प्राप्त प्रस्तावों पर निर्णय होंगे। लिहाजा आज जिला पंजीयन कार्यालय द्वारा इंदौर की प्रस्तावित गाइडलाइन को लेकर जो अनुशंसाएं की गई हैं उसके प्रस्ताव भोपाल मुख्यालय भेज दिए जाएंगे। फिर 11 मार्च की बैठक में तय होगा कि किन क्षेत्रों में कितनी गाइडलाइन बढ़ाई गई है अथवा नहीं, क्योंकि लोकसभा चुनाव के चलते यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि गाइडलाइन में अधिक परिवर्तन फिलहाल न हो। वरिष्ठ जिला पंजीयक दीपक कुमार शर्मा के मुताबिक गत वर्ष जहां पूरे वित्त वर्ष में 2084 करोड़ का राजस्व मिला था, तो इस वित्त वर्ष में फिलहाल ही 2100 करोड़ रुपए से अधिक राजस्व मिल चुका है। अभी शनिवार और रविवार की छुट्टियों में भी रजिस्ट्रियां होंगी। सिर्फ होली के दिन ही अवकाश रहेगा। साथ ही सभी उपजिला पंजीयकों के स्लॉटों की संख्या भी 59 से बढ़ाकर 72 कर दी है। यानी रोजाना 700 से अधिक रजिस्ट्रियां हो सकेंगी। वैसे भी मार्च के माह में सर्वाधिक रजिस्ट्रियां होती हैं, क्योंकि 1 अप्रैल से बढ़ी हुई गाइडलाइन लागू हो जाती है। वहीं सम्पदा सॉफ्टवेयर पाइंट-2 के अपडेशन को भी आगामी वित्त वर्ष से अपनाए जाने के प्रयास चल रहे हैं, जिसमें कई सुविधाएं मिलेंगी।

ई-वेस्ट और कचरे से बनाई सफाईकर्मियों की तस्वीर

इंदौर। स्वच्छता के सिरमौर इंदौर ने लगातार सातवीं बार फिर नंबर वन का खिताब जीता है। हर साल इस उपलब्धि में इंदौर के सफाई मित्रों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। इसी के तहत इंदौर में सफाई मित्रों के सम्मान में ई-वेस्ट और कचरे से सफाईकर्मियों की तस्वीर बनाई गई। इसका शनिवार को अनावरण हुआ।फेडरेशन आफ इंडियन चैंबर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (फिक्की) के लेडीज आर्गनाइजेशन यानी फिक्की फ्लो के इंदौर चेप्टर ने सफाई मित्रों के सम्मान में जंजीरवाला चौराहे पर भित्ति चित्र का अनावरण किया। यह चित्र ई-वेस्ट और सूखे कचरे से तैयार किए गया है। तस्वीर में तीन सफाईकर्मी दिख रहे हैं। इसका उद्घाटन महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने किया।इस मौके पर महापौर भार्गव ने कहा कि सफाई मित्रों ने शहर को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके बिना इंदौर को स्वच्छ रखना संभव नहीं है। सफाई मित्र हमारे शहर के नायक हैं, जो दिन-रात काम करते हैं और शहर को स्वच्छ और स्वस्थ रखते हैं।

देवगुराड़िया मे महाशिवरात्रि मेले में लगी भीषण आग

कई फीट ऊंची लपटे उठीं, झूला और प्लास्टिक के पाइप जलकर खाक

इंदौर। इंदौर के देवगुराड़िया में शनिवार दोपहर शिव मंदिर के पास लगे महाशिवरात्रि मेले में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी फैल गई। हालांकि मौके पर मौजूद फायर ब्रिगेड ने कुछ ही देर में आग पर काबू कर लिया। इससे बड़ा हादसा टल गया और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार देवगुराड़िया शिव मंदिर पर महाशिवरात्रि के अवसर पर हर साल की तरह इस बार भी मेला लगा है। मंदिर के पास जिस मैदान में मेला लगता है, वहां शनिवार दोपहर रखे अवंतिका गैस कंपनी के प्लास्टिक के बड़े-बड़े पाइप ने

अचानक आग पकड़ ली। पास में ही लगा एक लकड़ी का झूला इस आग की चपेट में आ गया। इससे काफी ऊंची लपटें उठने लगी।

कई फीट ऊंची लपटे उठीं, मेले में काला धुआं फैला

आग लगने से मेले में अफरा-तफरी फैल गई। मेले में पहले ही से फायर ब्रिगेड का टैंकर मौजूद था। इसके चलते आग पर जल्द ही काबू पा लिया और किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि आग से झूला और प्लास्टिक के पाइप जलकर खाक हो गए। फिलहाल आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है।

प्लास्टिक के पाइप भभकने से हुई आग की शुरुआत

पुलिस विभाग के अधिकारी उमाकांत चौधरी ने बताया कि अवंतिका गैस लिमिटेड की लाइन डालने का काम चल रहा है। इसके ही पाइप मैदान में पड़े थे। अभी कारण स्पष्ट नहीं है, लेकिन इन पाइप में आग भभकने के बाद झूला भी इसकी चपेट में आ गया।

लोकसभा निर्वाचन 2024 - सेक्टर अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में क्रिटिकल एवं वल्नरेबल मतदान केन्द्रों का करेंगे निर्धारण

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

इंदौर। इंदौर जिले में लोकसभा चुनाव को लेकर व्यापक तैयारियां जारी है। इन्हीं तैयारियों के संबंध में आज यहां सेक्टर अधिकारी और सेक्टर पुलिस अधिकारियों का संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम नवनिर्मित लता मंगेशकर सभागृह में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि निर्वाचन का कार्य अति महत्वपूर्ण है, इसकी तैयारियां पूर्ण गंभीरता के साथ समय-सीमा में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप की जाएं। सभी अधिकारी अपने कर्तव्य और दायित्वों का पूर्ण गंभीरता के साथ निर्वहन करें। सेक्टर ऑफिसर्स को सेक्टर मजिस्ट्रेट की शक्तियां भी दी जाएगी। सेक्टर ऑफिसर चुनाव प्रक्रिया में रिटर्निंग ऑफिसर और मतदान दलों के बीच कड़ी के रूप में कार्य करेंगे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में सेक्टर अधिकारियों को क्रिटिकल एवं वल्नरेबल मतदान केन्द्रों की पहचान, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशा-निर्देशों तथा दिशा-निर्देशों के अनुरूप क्रिटिकल एवं वल्नरेबल मतदान केन्द्रों के निर्धारण आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। कलेक्टर सिंह ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में निर्देश दिए कि सभी अधिकारी अपने-अपने दायित्व एवं कर्तव्यों का गंभीरता के साथ निर्वहन करें। वे अपने-अपने क्षेत्र का भ्रमण कर निर्धारित प्रपत्र में इस संबंध में जानकारी प्रस्तुत करें। यह जानकारी 13 मार्च को होने वाली बैठक में प्रस्तुत की जाए। कलेक्टर सिंह ने कहा कि निर्वाचन का कार्य अति महत्वपूर्ण है। इस कार्य को पूर्ण गंभीरता से किया जाए। लापरवाही एवं उदासीनता नहीं बरती जाए। सभी अधिकारी पूर्ण आपसी समन्वय से टीम भावना के साथ कार्य करें। निर्वाचन में लापरवाही एवं गलती अक्षम्य होती है। उन्होंने कहा कि लोकसभा निर्वाचन के दौरान जिस मतदान केंद्र में अधिक मतदान होगा वहां के बीएलओ और सेक्टर अधिकारी को पुरस्कृत किया जाएगा।

मुख्य प्रशिक्षक डॉ.आर.के.पांडे ने सेक्टर अधिकारियों को विस्तार से प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में निर्वाचन से जुड़े सभी विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी, पुलिस अधिकारी आदि उपस्थित थे।

बताया गया कि निर्वाचन को सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने के लिये जिले में सामान्य सेक्टर और पुलिस सेक्टर अधिकारी मिलाकर 500 से अधिक सेक्टर अधिकारी नियुक्त किये गये है। जिले के देपालपुर विधानसभा क्षेत्र में 29, इंदौर-एक में 30, इंदौर-दो में 27, इंदौर-तीन में 17, इंदौर-चार में 19, इंदौर-5 में 33, महू में 26, राऊ में 28 तथा सांवेर विधानसभा क्षेत्र में 26 सेक्टर अधिकारी तैनात किये गये है। इतने ही सेक्टर पुलिस ऑफिसर नियुक्त किये गए हैं।

लोकसभा चुनाव: इंदौर में बढ़ा रहे 193 पोलिंग बूथ

इंदौर। इंदौर जिले में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान केंद्रों को चिन्हित करने के साथ ही अन्य तैयारी शुरू हो चुकी है। आयोग के निर्देश पर सुलभ और सुगम मतदान के लिए जिले में 193 नए मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। 2679 मतदान केंद्रों के लिए मतदाताओं का जोड़-घटाव करने का कार्य जारी है।इंदौर जिले की सभी नौ विधानसभा क्षेत्रों में विधानसभा चुनाव में 2486 मतदान केंद्र बनाए गए थे। इसमें कई मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या 1500 से अधिक थी। आयोग के दौरे के बाद अधिक संख्या वाले मतदान केंद्रों पर 79 सहायक मतदान केंद्र बनाए गए थे। इसके बाद भी विधानसभा चुनाव में पोलिंग बूथों पर लंबी कतारें लगी रहीं।

इस वजह से कई मतदाता बिना मतदान किए ही लौट गए। जनप्रतिनिधियों ने भी जिला प्रशासन को इसकी शिकायत की थी। प्रशासन ने मतदान केंद्रों की संख्या बढ़ाने के लिए आयोग को पत्र लिखा था। इस बार पहले से ही पोलिंग बूथों की संख्या बढ़ाई जा रही है। एक बूथ पर एक हजार मतदाता लोकसभा चुनाव में मतदाताओं को परेशानी से बचाने के लिए आयोग ने पोलिंग बूथों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय एक बूथ पर मतदाताओं की संख्या एक हजार के करीब रखने जा रहा है। जिले में वर्तमान में 27 लाख 84 हजार 130 मतदाता है। जिले में विधानसभा चुनाव की तुलना में 43 हजार से अधिक मतदाता बढ़ चुके हैं। इनके अनुसार ही मतदान केंद्रों की स्क्रूटनी की जा रही है।

सिक्स लेन बनाने में खर्च होंगे 950 करोड़

इंदौर । सिंहस्थ 2028 को लेकर प्रदेश सरकार की तैयारियां शुरू हो चुकी है। इन दिनों उज्जैन को जोड़ने वाली प्रमुख सड़कों को बेहतर बनाने में जोर दिया जा रहा है। इंदौर-उज्जैन फोरलेन रोड़ को सिक्स लेन में तबदील किया जाएगा। प्राथमिकता के आधार पर शासन ने सड़क निर्माण के लिए बजट भी निर्धारित कर दिया है। करीब 950 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। अब एमपीआरडीसी को सड़क निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी है। अगले कुछ महीनों में सड़क की डिजाइन से लेकर डीपीआर और टेंडर निकाले जाएंगे।सिंहस्थ में देशभर से पचास लाख से अधिक श्रद्धालुओं रोजाना पहुंचेंगे, जो विभिन्न मार्ग से होते हुए उज्जैन आएंगे। इनकी सुविधा का ध्यान रखते हुए सरकार ने उज्जैन से जुड़ने वाली प्रमुख सड़कों को सुधारने पर जोर दिया है। इंदौर-उज्जैन रोड़ को प्राथमिकता देते हुए ढ़ाई साल में काम पूरा करने का लक्ष्य दिया है। सिक्स लेन सड़क के लिए एमपीआरडीसी अगले कुछ सप्ताह में अपना प्रेजेंटेशन दे सकती है, जिसमें सड़क की डिजाइन और निर्माण लागत के बारे में बताया जाएगा।

पहले वैकल्पिक मार्ग बनाना होगा 48 किमी लम्बी इस सड़क पर काम शुरू करने से पहले एजेंसी को वैकल्पिक मार्ग बनना होगा। ताकि लोगों को उज्जैन आने-जाने में परेशानी नहीं होगी। यहां तक कि एक दिशा का काम पूरा होने के बाद ही सड़क के दूसरे हिस्सा बनाना होगा। सड़क को सिक्स लेन में तबदील करने के लिए एमपीआरडीसी के पास यू तो साढ़े तीन साल का समय है, लेकिन छह महीने डीपीआर, टेंडर और डिजाइन बनाने में निकल जाएगा।

एमपीआरडीसी के राकेश जैन का कहना है कि प्रोजेक्ट संबंधित जानकारी आने के बाद टेंडर निकाला जाएगा। उसमें भी चार से पांच महीने का समय लगेगा। वर्क आर्डर के बाद निर्माण शुरू होगा। इस पूरी प्रक्रिया में दिसंबर तक का समय लगेंगा।

हैवानियत की हद पार - नाबालिग से सवा साल तक करता रहा दुष्कर्म, गर्भवती होने पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज

देवास। देवास जिले से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक कॉलोनी में नानी के यहां रहने आई नाबालिग के साथ पहचान का युवक सवा साल तक दुष्कर्म करता रहा। युवक पहचान का होने के कारण उसकी असलियत परिवारजन को नहीं दिख पाई। तभी अचानक नाबालिग को पेट में दर्द हुआ तो परिजनों ने उसे डॉक्टर को दिखाया। तब पता चला नाबालिग गर्भवती है। नाबालिग के गर्भवती होने पर परिजन ने औद्योगिक थाने पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करवाया।

औद्योगिक थाना क्षेत्र की पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र की एक कॉलोनी में नानी के यहां रहने के लिए आई नाबालिग के साथ 30 अक्टूबर 2022 से 1 जनवरी 2024 तक आरोपी अमन उज्जैनिया ने गलत काम किया। बालिका के गर्भवती होने पर पता चला तब जाकर परिजन ने केस दर्ज करवाया है।

बताया जा रहा है कि आरोपी का अक्सर पीड़िता की नानी के यहां आना-जाना रहता था। खबर लिखे जाने तक आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार उसे जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बताया जाता है कि बालिका की उम्र 17 साल है। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

फोरलेन रोड तैयार, अब सडक़ निर्माण के लिए बायपास की ओर खुदाई शुरू

इंदौर। होलकर प्रतिमा से बायपास तक फोरलेन प्रोजेक्ट के अंतर्गत होलकर प्रतिमा से भूरी टेकरी के बीच फोरलेन सडक़ तैयार हो गई है। करीब सालभर पहले इस सडक़ का भूमिपूजन किया गया था, लेकिन अलग-अलग कारणों के कारण लगातार काम उलझता रहा और प्रोजेक्ट पिछड़ता गया। अब एक किलोमीटर से ज्यादा लंबा हिस्सा बनने के बाद वाहन चालकों को बड़ी राहत हो गई है। हालांकि नवनिर्मित सडक़ पर धूल उडऩे से लोगों को परेशानी भी हो रही है। यह सडक़ पीडब्ल्यूडी चौड़ी कर रहा है। अगले चरण में विभाग ने काट्रिक्टर को कहकर भूरी टेकरी जंक्शन से बायपास की तरफ करीब 700 मीटर लंबे हिस्से में सडक़ का बेस बनाने के लिए खुदाई शुरू कर दी है। सडक़ के दोनों ओर रहने वाले रहवासियों को ज्यादा परेशानी न हो, इसलिए एक ही तरफ खुदाई की जा रही है। अब खोदे गए भाग में बेस बनाकर सडक़ के काम किए जाएंगे। यह हिस्सा भी वर्तमान में टू लेन चौड़ा है, जिसे दोनों तरफ एक-एक लेन बढ़ाकर फोरलेन में बदला जाएगा।

सडक़ चौड़ीकरण में बाधक पेड़, खंभे, ट्रांसफार्मर और सर्विस लाइन आदि पहले ही शिफ्ट किए जा चुके हैं। यह रोड 2.71 किमी लंबी है, जिसके निर्माण पर लगभग 15 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं।

बारिश से पहले काम पूरा करने का लक्ष्य आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बारिश से पहले भूरी टेकरी जंक्शन से बायपास के बीच का हिस्सा चौड़ा करने का लक्ष्य है। 15 जून के बाद मानसून का सीजन आएगा, इसलिए उससे पहले ज्यादा से ज्यादा काम हो जाएगा। वैसे सीमेंट-कांक्रीट सडक़ का काम बारिश में भी हो सकता है।

बंद पोर्टल, निगम को करोड़ों का फटका

इंदौर। पिछले तीन-चार माह से पोर्टल बंद होने के चलते नगर निगम को करोड़ों के राजस्व की हानि हो रही है। पहले ही निगम की हालत खस्ता है और ऊपर से पोर्टल के कारण सही-सही कसर पूरी हो गई। ई-नगर पालिका के पोर्टल पर इंदौर के जलकर और संपत्तिकरदाताओं का सिर्फ दो साल का रिकार्ड ही आ रहा है, जिसके चलते कल की लोक अदालत खासी प्रभावित होगी। पिछले 15 दिनों से नगर निगम के अधिकारियों ने भोपाल नगरीय प्रशासन विभाग के अफसरों को सारी स्थिति बताई थी और उनके माध्यम से ई-नगरपालिका पोर्टल का संचालन करने वाली कंपनी के अधिकारियों को फटकार भी लगाई थी, ताकि पोर्टल चालू हो सके।इंदौर ही नहीं, मप्र के कई शहरों के नगर निगम और नगर पालिकाओं में पोर्टल के कारण कामकाज ठप पड़े हैं। इंदौर में भी पिछले तीन से चार माह से यही स्थिति बनी हुई है, जिसके कारण पुराने खातेदारों से नगर निगम का अमला न तो राशि वसूल पा रहा है और न ही जब्ती-कुर्की की कार्रवाई हो रही है। लोक अदालत को लेकर भी नगर निगम के अफसरों के सामने असमंजस की स्थिति है, क्योंकि जलकर और संपत्तिकर के खाताधारकों का सिर्फ दो साल का रिकार्ड ही पोर्टल पर आ रहा है 7

हर गरीब को योजनाओं का फायदा दिलाना हम सबका कर्तव्य

इंदौर। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने शिवरात्रि पर किला मैदान क्षेत्र में अपने हाईटेक कार्यालय का शुभारंभ करते हुए कहा कि मेरा यह प्रयास रहेगा कि यह कार्यालय 24 घंटे सातों दिन चालू रहे। यह कार्यालय किसी विधायक या मंत्री का न होकर हम सबका कार्यालय है। यहां आएं और बैठें तथा अपने क्षेत्र के गरीब कार्यकर्ताओं की मदद करने के लिए उन्हें सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाएं। मैं भी लोकसभा चुनाव के बाद एक दिन यहां बैठूंगा और कार्यकर्ताओं तथा आम लोगों से मिलूंगा। किला मैदान में बनाए गए कार्यालय में सरकार की हर योजना के आवेदन फार्म उपलब्ध होंगे। इसके पहले विजयवर्गीय के पुत्र एवं पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय ने भी कार्यकर्ताओं से बात की और कार्यालय के बारे में जानकारी दी। आकाश के साथ उनकी धर्मपत्नी सोनम विजयवर्गीय ने कार्यालय में पूजा-अर्चना की, उसके बाद विजयवर्गीय ने कार्यालय का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस दौरान एमआईसी सदस्य निरंजनसिंह चौहान, अश्विनी शुक्ल के अलावा भाजपा पार्षद दल के सचेतक कमल बाघेला, भाजपा नगर उपाध्यक्ष अशोक चांदू और सभी पार्षद तथा भाजपा के पदाधिकारी मौजूद थे। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि यह कार्यालय इट और सीमेंट का कमरा नहीं होना चाहिए, बल्कि हमें इसे जीवंत कार्यालय बनाना है, जहां लगातार गतिविधि होना चाहिए। उन्होंने पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से कहा कि ये कार्यालय हम सबकी जवाबदारी है और इसके माध्यम से हमें गरीब वर्ग को सरकार की योजना का लाभ दिलाना है। विजयवर्गीय ने गरीब बच्चों के 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक नंबर से पास होने के बाद उनकी उच्च शिक्षा और कोचिंग के लिए पढ़ाई की व्यवस्था करने की घोषणा को भी दोहराया। इस प्रकार का प्रकल्प आकाश विजयवर्गीय अपने क्षेत्र में चला चुके हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि अपने-अपने वार्ड में जाकर हमको देखना है कि किसको योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं और ऐसे लोगों की सूची बनाकर उन्हें यहां लाना है। बाद में जब विजयवर्गीय ने कार्यकर्ताओं से सुझाव मांगे तो कमलेश खंडेलवाल ने कहा कि हमारा कार्यालय 24 घंटे सातों दिन खुलना चाहिए, ताकि जब भी यहां कोई आए, खाली हाथ नहीं जाए। इस पर विजयवर्गीय ने सहमति दी और कहा कि वे प्रयास करेंगे कि एक-दो लोग और बढ़ाकर यहां 24 घंटे कोई न कोई उपलब्ध हो। अभी यहां सुबह से रात 9-10 बजे तक कार्यालय का स्टाफ मौजूद रहेगा।

मोदीजी कहते हैं भाजपा एक परिवार

विजयवर्गीय ने कहा कि भाजपा को ऐसे ही एक परिवार नहीं कहा जाता है। यहां सभी लोग एक-दूसरे के सुख-दुख में काम आते हैं और यही काम हमें करना है। हम भी मोदी परिवार का एक हिस्सा हैं, यह भाव हमें अपने अंदर रखना है। एक कार्यकर्ता ने रोजगार मेला यहां हर 6 महीने में लगाने की मांग रखी तो उन्होंने इस पर भी हामी भरी।

मदद करना पुण्य का काम

विजयवर्गीय ने कहा कि किसी भी गरीब की मदद करना पुण्य का काम है और मैंने यह महसूस किया है। गरीबों की दुआ कहीं न कहीं काम आ ही जाती है। उन्होंने इस शेर के साथ अपनी बात खत्म की 'न जाने कौन मेरे हक में दुआ करता हूं, जब भी डूबता हूं दरिया उछाल देता है।'

नवीन विद्युत कनेक्शन के लिए "सरल संयोजन पोर्टल" शुरू

उपभोक्ताओं को त्वरित मिलेगा नया बिजली कनेक्शन

इंदौर। विधुत उपभोक्ताओं को नवीन बिजली कनेक्शन लेना हुआ आसान। विद्युत कंपनी निम्नदाब घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को "सरल संयोजन पोर्टल" https://saralsanyojan.mpcz.in:}}}}/home पर विधिवत आवेदन के बाद अतिशीघ्र नवीन बिजली कनेक्शन उपलब्ध करा रही है। पोर्टल के माध्यम से कंपनी द्वारा आवेदकों को समस्त प्रक्रियाएं पूर्ण कर आवश्यक दस्तावेजों सहित नये बिजली कनेक्शन के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के 24 घंटे के भीतर ही नया बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया है। इस पोर्टल के माध्यम से अपूर्ण आवेदन होने की स्थिति में कंपनी द्वारा आवेदक को एसएमएस के माध्यम से आवेदन पूर्ण करने का एक अवसर भी प्रदान किया जा रहा है। उपभोक्ता द्वारा इस पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन के बाद उसकी स्थिति को भी देखा जा सकेगा एवं उपभोक्ता को नया कनेक्शन लेने के लिए कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं है।

बिजली उपभोक्ताओं को नया बिजली कनेक्शन सुगमता से मिलें इसके लिए कंपनी द्वारा नवीन पोर्टल "सरल संयोजन पोर्टल" का क्रियान्वयन शुरू कर विधिवत पूर्ण आवेदन पर बहुत ही कम समय में नवीन कनेक्शन उपलब्ध कराना शुरू कर दिया है। कंपनी ने बताया है कि अब उपभोक्ताओं को नवीन कनेक्शन के आवेदन के लिए सभी जरूरी जानकारी भरने के साथ ही डिमांड नोट का ऑनलाइन भुगतान करने के बाद अनुबंध की शर्तें दिखाई देंगी जिन्हें स्वीकार करने पर पोर्टल में स्वतः ही अनुबंध क्रियान्वित हो जाएगा। आवेदकों को इस पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन के साथ स्वयं का फोटो,पहचान पत्र, स्वामित्व संबंधी दस्तावेज तथा टेस्ट रिपोर्ट अपलोड करना आवश्यक होगा। पोर्टल के माध्यम से आवेदक को अपूर्ण आवेदन होने की स्थिति में रिजेक्शन होने पर रजिस्ट्रेशन शुल्क के अतिरिक्त अन्य जमा शुल्क ऑनलाइन खाते में तुरंत प्रदाय की जाएगी।

कंपनी द्वारा इस प्रक्रिया में लगने वाले समय को कम करने के लिए "सरल संयोजन पोर्टल" https://saralsanyojan.mpcz.in:}}}}/home का क्रियान्वयन किया है।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, रविवार 10 मार्च , 2024

संपादकीय | युद्ध के मोर्चे पर फंसे भारतीयों को मदद की दरकार

पिछले कुछ समय से लगातार ऐसी खबरें आ रही थीं कि रोजगार दिलाने का हवाला देकर रूस ले जाए गए कुछ लोगों को युद्ध के मोर्चे पर लगा दिया गया और अब वहां से उनकी वापसी मुश्किल हो गई है। इसी क्रम में आई एक खबर के मुताबिक, सहायक की नौकरी मिलने के भरोसे पर रूस गए एक भारतीय को रूसी सेना में भर्ती करा दिया गया, जहां युद्ध में गोलीबारी की वजह से उसकी जान चली गई।

यह इस तरह की दूसरी घटना है। अब इस मामले के तूल पकड़ने के बाद ऐसे अनेक मामले सामने आने लगे हैं, जिनमें कई लोगों को नौकरी दिलाने का झांसा देकर सहायक के रूप में रूस की सेना के साथ युद्ध में झोंक दिया गया। ऐसे कम से कम सौ लोगों के रूसी सेना में काम करने की खबर आई है। हाल में वहां पर्यटक वीजा पर वहां ले जाए गए सात लोगों को हिरासत में ले लिया गया और बाद में 'सहायक' के रूप में रूसी सेना में भर्ती होने पर मजबूर किया गया। साथ ही यह धमकी दी गई कि अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो उन्हें दस वर्ष की कैद की सजा दी जाएगी।

अब रूस में युद्ध के मोर्चे पर फंसा दिए गए लोग और उनके परिजन उन्हें बचाने के लिए मदद मांग रहे हैं, दूसरी ओर भारत सरकार की ओर से ऐसे लोगों को देश वापस लाने की कोशिश की जा रही है। जाहिर है, रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में अब वैसे लोगों का भी इस्तेमाल किया जाने लगा है, जो रोजी-रोटी के लिए नौकरी की भूख में अपने घर से जोखिम उठा कर किसी के भरोसे पर निकल गए थे।

यों यह एक जगजाहिर हकीकत है कि युद्ध के दौरान उसमें शामिल पक्ष शायद ही किसी नैतिकता

या मानवीयता की बात पर गौर करते है। इसलिए रोजगार के जरूरतमंदों को इस कदर जाल में फंसा कर उन्हें युद्ध के मोर्चे पर झोंक देना कोई हैरान करने वाली बात नहीं है, लेकिन धोखा देकर अन्य देशों के नागरिकों को जंग के जानलेवा जोखिम में डालने को किसी भी हाल में उचित नहीं कहा जा सकता। रूस एक ताकतवर देश है, मगर यह विचित्र है कि उसे अपनी ओर से युद्ध लड़ने के लिए सैनिकों की जरूरत को अन्य देशों से आए रोजगार के भूखों को धोखा देकर पूरा करने की दशा का सामना करना पड़ रहा है।

किसी को जीने के लिए रोजगार की जरूरत होती है और उसके हालात का फायदा उठा कर उसे धोखे से जानलेवा जोखिम के दलदल में धकेल दिया जाता है। अक्सर ऐसी खबरें आती रहती हैं कि पढ़ाई और रोजगार के नाम पर विदेश भेजने वाले एजंटों का तंत्र कैसे काम करता है। इसी क्रम में ऐसा लगता है कि रूस और भारत में कुछ समूह रोजगार की तलाश करते युवाओं को ज्यादा तनख्वाह से लेकर अन्य सुविधाओं सहित तरह-तरह के प्रलोभन देकर जाल में उलझाते हैं।

इसमें फंसने वाले युवाओं को जब वास्तविकता का पता चलता है, तब तक देर हो चुकी होती है। विचित्र यह भी है कि दूसरे देश जाने या वहां से आने वाले हर एक व्यक्ति पर निगरानी रखने के दावे के बीच यह भी समांतर तंत्र के तौर पर देखा जाता है कि कुछ एजंट लोगों को बरगला कर गलत तरीके से कहीं ले जाते हैं और वहां किसी जाल में फंसने के लिए छोड़ देते हैं। ऐसे में यह सरकार की भी जिम्मेदारी है कि किसी अन्य देश जाने वाले लोगों की सुरक्षा और सहायता को लेकर वह कोई ठोस तंत्र बनाए।

सोशल मीडिया से...

महिला दिवस के अवसर पर आज हमने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 100 रुपये की छूट का बड़ा फैसला किया है। इससे नारी शक्ति का जीवन आसान होने के साथ ही करोड़ों परिवारों का आर्थिक बोझ भी कम होगा। यह कदम पर्यावरण संरक्षण में भी मददगार बनेगा, जिससे पूरे परिवार का स्वास्थ्य भी बेहतर रहेगा।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

भारत में 15 साल या उससे भी अधिक समय तक स्थिर सरकार रहेगी। सरकार अच्छे व कठिन निर्णय लेने में सक्षम है। व्यापार जगत आज राजनीतिक स्थिरता को महत्व देता है। राजनीतिक स्थिरता का मतलब नीतिगत स्थिरता है। सौभाग्य से एक दशक से हमारे देश में राजनीतिक स्थिरता है, और अगले दशक के लिए भी मैं आश्वस्त हूं।

एस. जयशंकर, विदेश मंत्री

प्रमोद महाजन, गोपीनाथ मुंडे के बराबरी में जिन्होंने काम किया, उन नितिन गडकरी का नाम लिस्ट में शामिल नहीं है। नितिन जी छोड़ दीजिए, महाविकास अघाड़ी (एमवीए) की तरफ से चुनाव लड़िए हम आपको जीताकर लाएंगे।

उद्धव ठाकरे, पूर्व सीएम महाराष्ट्र

महायुति का राज्य की सीटों पर निर्णय नहीं हुआ है। यह चर्चा जब होगी तब नितिन जी का नाम आएगा। उद्धव ठाकरे खुद को बड़ा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। यह बेहद हास्यास्पद है। यह ऑफर ऐसा है, जैसे गली के व्यक्ति ने अमेरिका का राष्ट्राध्यक्ष बनाने की ऑफर दिया हो। उनकी पार्टी का बैंड बजा पड़ा है। गडकरी हमारे बड़े नेता हैं।

देवेंद्र फडणवीस , डिप्टी सीएम महाराष्ट्र

आज का कार्टून

तीन नए सहयोगियों के साथ एनडीए और मजबूत होगा?

चंद्रबाबू नायडू पिछले एक साल से एनडीए में शामिल होने की कोशिश कर रहे हैं, जब इंडी एलायंस का गठन हुआ था, उस समय भी उन्हें एनडीए में शामिल किए जाने की चर्चा थी। चंद्रबाबू नायडू की हाल ही में अमित शाह से दो बार बातचीत हो चुकी है। इस बातचीत में सीटों पर भी चर्चा हो चुकी है। चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण की बातचीत कभी भी हो सकती है। भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा की 25 में से आठ सीटें माँगी है, जिस पर लगभग सहमति भी हो चुकी है। आंध्र प्रदेश विधानसभा के चुनाव भी लोकसभा चुनावों के साथ होते हैं, इसलिए विधान सभा की सीटों पर भी साथ ही सहमति होनी है। चंद्रबाबू नायडू भाजपा को विधानसभा की 175 सीटों में से 30 से 35 सीटें देने पर सहमत हो सकते हैं। पवन कल्याण कापू जाति से आते हैं, जिसका ईस्ट गोदावरी, वेस्ट गोदावरी, गुंटूर, कृष्णा, कर्नूल, कल्पा आदि जिलों में अच्छा खासा प्रभाव है।

अजय सेतिया

उड़ीसा, आंध्र प्रदेश और पंजाब में नए समीकरण इन्तजार कर रहे हैं। उड़ीसा में बीजू जनता दल का 15 साल बाद एनडीए में वापस लौटना लगभग तय है। आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू की तेलगू देशम पार्टी का एनडीए में लौटना तय लग रहा है, तेलुगु देशम के साथ पवन कल्याण की प्रजा राज्यम पार्टी भी एनडीए में शामिल हो रही है। चंद्रबाबू नायडू पिछले लोकसभा चुनावों से ठीक पहले 2018 में एनडीए छोड़कर गए थे।

एनडीए छोड़ने के बाद उन्होंने भाजपा के खिलाफ उसी तरह मोर्चा बनाने की कोशिश की थी, जैसे इस बार नीतीश कुमार ने एनडीए छोड़ने के बाद इंडी एलायंस बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका बनाई थी। नीतीश कुमार को चुनावों से पहले ही समझ में आ गया कि विपक्ष कितनी भी कोशिश कर ले, वह मोदी को नहीं हरा सकता।

लेकिन चंद्रबाबू नायडू को 2019 का विधानसभा और लोकसभा चुनाव हारने के बाद समझ में आया था कि उन्होंने एनडीए छोड़कर बड़ी गलती की। अकेले चुनाव लड़कर वह लोकसभा की सिर्फ 3 सीटें जीत पाए थे, जबकि जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस 22 लोकसभा सीटें जीत गई थी, और विधान सभा में उसे दो तिहाई से भी ज्यादा बहुमत मिल गया था।

चंद्रबाबू नायडू पिछले एक साल से एनडीए में शामिल होने की कोशिश कर रहे हैं, जब इंडी एलायंस का गठन हुआ था, उस समय भी उन्हें एनडीए में शामिल किए जाने की चर्चा थी। चंद्रबाबू नायडू की हाल ही में अमित शाह से दो बार बातचीत हो चुकी है। इस बातचीत में सीटों पर भी चर्चा हो चुकी है। चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण की बातचीत कभी भी हो सकती है।

भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा की 25 में से आठ सीटें माँगी है, जिस पर लगभग सहमति भी हो चुकी है। आंध्र प्रदेश विधानसभा के चुनाव भी लोकसभा चुनावों के साथ होते हैं, इसलिए विधान सभा की सीटों पर भी साथ ही सहमति होनी है। चंद्रबाबू नायडू भाजपा को विधानसभा की 175 सीटों में से 30 से 35 सीटें देने पर सहमत हो सकते हैं।

पवन कल्याण कापू जाति से आते हैं, जिसका ईस्ट गोदावरी, वेस्ट गोदावरी, गुंटूर, कृष्णा, कर्नूल, कल्पा आदि जिलों में अच्छा खासा प्रभाव है। गठबंधन में कापू समुदाय के प्रभाव वाली करीब 35-40 सीटों पर पवन कल्याण की प्रजा राज्यम पार्टी भी चुनाव लड़ेगी। बाकी बची करीब सौ या उससे कुछ ज्यादा सीटों पर चंद्रबाबू नायडू की पार्टी चुनाव लड़ेगी।

अगर सीटों का बंटवारा ठीक ठाक हो गया, तो एनडीए की आंध्र प्रदेश में बम्पर जीत हो सकती है। पिछली बार भाजपा का किसी के साथ गठबंधन नहीं था, इसलिए भाजपा आंध्र प्रदेश से लोकसभा की एक भी सीट नहीं जीत सकी थी। तेलुगु देशम, भाजपा और प्रजा राज्यम का गठबंधन कभी भी हो सकता है। आंध्र प्रदेश की आज की राजनीतिक स्थिति ऐसी है कि चंद्रबाबू नायडू, पवन कल्याण और मोदी के गठबंधन वाला एनडीए राज्य की सभी 25 लोकसभा सीटें भी जीत सकता है।

दूसरी तरफ जगन मोहन रेड्डी भी एक समय भाजपा के साथ चुनावी गठबंधन करने के इच्छुक थे, लेकिन भारतीय जनता पार्टी का फीडबैक यह था कि उनका प्रभाव खत्म हो रहा है, और चंद्रबाबू का पलड़ा भारी है।

दूसरा कारण यह था कि आंध्र प्रदेश का हिन्दू वोटर जगन मोहन रेड्डी की ईसाईपरस्त राजनीति के कारण उनसे नाराज है।अगर भाजपा जगन मोहन रेड्डी से गठबंधन करती, तो हिन्दू वोटर भाजपा से नाराज हो जाता। बाद में जगन मोहन रेड्डी खुद ही पीछे हट गए, क्योंकि उन्हें उनके समर्थकों ने बताया कि मुस्लिम वोटर नाराज हो कर चंद्रबाबू नायडू के साथ चले जाएंगे, इसलिए चंद्रबाबू नायडू को ही भाजपा से गठबंधन करने दो।

एक समय जगन मोहन रेड्डी कांग्रेस के साथ गठबंधन पर भी विचार कर रहे थे, लेकिन कांग्रेस ने उनके परिवार में फूट डाल कर उनकी बहन शर्मिला रेड्डी को पार्टी में शामिल करवा कर उन्हें प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बना दिया। जिससे जगन मोहन रेड्डी कांग्रेस से बेहद खफा हैं। इसलिए जगन के पास कोई ज्यादा विकल्प नहीं बचा है।

उड़ीसा के सत्ताधारी बीजू जनता दल का भी 15 साल बाद एनडीए में लौटना करीब करीब तय माना जा रहा है। उड़ीसा के विधानसभा चुनाव भी लोकसभा चुनावों के साथ होते हैं। 1998 से 2009 तक बीजू जनता दल एनडीए में था। 2009 के लोकसभा चुनाव से पहले बीजू जनता दल ने एनडीए छोड़ दिया था, तब भाजपा ने गठबंधन बचाने की बहुत कोशिश की थी, लेकिन नाकाम रही थी।

बीजू जनता दल ने एनडीए छोड़ने के बावजूद भाजपा से सोहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखे। 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद बीजू जनता दल ने संसद में संकट की हर घड़ी में केंद्र सरकार का साथ दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद उड़ीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के साथ संपर्क में हैं।

अभी दो दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उड़ीसा दौरे के समय नवीन पटनायक के साथ उनकी केमिस्ट्री देखने के बाद कोई और तो क्या कांग्रेस महामंत्री जयराम रमेश ने ही कहा कि बीजू जनता दल भाजपा का नया पार्टनर होगा। सरकारी कार्यक्रम में जब मुख्यमंत्री नवीन पटनायक मंच पर मौजूद थे, तब प्रधानमंत्री ने उनकी और उनके पिता बीजू पटनायक की जमकर तारीफ़ की।

इस कार्यक्रम में मोदी का भाषण सुनने के बाद चौधरी चरण सिंह की तरह बीजू पटनायक को भी भारत रत्न दिए जाने की अटकलें लगनी शुरू हो गई। अभी नहीं, तो यह तय मानिए कि मोदी की तीसरी सरकार में सबसे पहले बीजू पटनायक को ही भारत रत्न की उपाधि मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उड़ीसा दौरे के बाद नवीन पटनायक ने अपने घर पर अपने दल के नेताओं के साथ गठबंधन पर बातचीत की, जबकि उसी दिन गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली में उड़ीसा के भाजपा नेताओं से मुलाक़ात की। उन्होंने भी बीजू जनता दल के एनडीए में लौटने की स्थिति में उड़ीसा की राजनीतिक स्थिति पर विचार विमर्श किया।

उड़ीसा में लोकसभा की 21 सीटें हैं, जिनमें से 12 बीजू जनता दल के पास हैं, और आठ भाजपा के पास है, जबकि बाकी बची एक सीट कांग्रेस के पास है। गठबंधन की स्थिति में भाजपा लोकसभा में आधी से ज्यादा यानी 11 सीटों की मांग कर रही है, जबकि विधानसभा में वह एक तिहाई सीटें चाहती है। अगर बीजू जनता दल भाजपा को ग्यारह सीटें देने को तैयार हो जाता है, तो उसे अपनी जीती हुई दो सीटें भी छोड़नी पड़ेंगी।

तीसरा राजनीतिक दल पंजाब का अकाली दल है, जो 2020 के किसान आन्दोलन तक एनडीए में शामिल था। एनडीए से निकलने के बाद 2022 के पंजाब विधानसभा चुनावों में अकाली दल तीसरे नंबर की पार्टी बन कर रह गया। आम आदमी पार्टी ने चुनाव जीत कर सरकार बनाई और कांग्रेस विपक्षी पार्टी बनी।

अकाली दल और भाजपा का गठबंधन 1967 से जनसंघ के जमाने से चल रहा था। अब अकाली दल वापस लौटना चाहता है, दो दौर की बातचीत भी हो चुकी है, लेकिन बात सीट शेयरिंग पर अटकी है। पहले अकाली दल और भाजपा के गठबंधन में लोकसभा की तीन अमृतसर, गुरदासपुर और होशियारपुर सीटें भाजपा लड़ती थी, बाकी 10 सीटें अकाली दल लड़ता था।

ओडिशा में क्यों उड़ रही है गठबंधन की अफवाह, क्या बोल रही है बीजेपी–बीजेडी? कांग्रेस का भी है अपना दावाओडिशा में क्यों उड़ रही है गठबंधन की अफवाह, क्या बोल रही है बीजेपी–बीजेडी? कांग्रेस का भी है अपना दावा इसी तरह विधानसभा की 23 सीटें भाजपा लड़ती थी, जबकि 90 सीटों पर अकाली दल लड़ता था। अब जब एक बार गठबंधन टूट चुका है, तो भाजपा नए सिरे से सीट शेयरिंग करना चाहती है। अब भाजपा ने लोकसभा की 13 में से सात सीटों पटियाला, लुधियाना, जालन्धर, अमृतसर, गुरदासपुर, होशियारपुर और आनंदपुर साहिब की मांग रख दी है। इनमें से गुरदासपुर को छोड़कर बाकी सभी शहरी सीटें हैं। भाजपा की आधी से ज्यादा सीटों की मांग पर बातचीत टूट गई है, लेकिन उसके दुबारा शुरू होने के आसार है, क्योंकि अकाली दल को भी पता है कि भाजपा के बिना शायद वह एक सीट भी नहीं जीत सकता।

हम जब किसी को अपने से कमतर होने की गलतफहमी पाल लेते हैं या उस पर अनावश्यक हक जताने लगते हैं, उसके ऊपर कई जिम्मेदारियों और नियमों का बोझ डाल देते हैं, तब स्वयं को और दूसरों को भी बीमार बनाने लगते हैं। हमें लगता है कि उस व्यक्ति को हमारे हिसाब से चलना चाहिए, तब उसकी मौलिकता को खत्म कर देने की ओर आगे बढ़ रहे होते हैं। हमें पता ही नहीं चलता कि उस स्वस्थ इंसान का हम कितना मानसिक और शारीरिक नुकसान कर रहे होते हैं। हमें यह समझना चाहिए कि सामने खड़ा जीता जागता व्यक्ति अपने आप में एक अद्भुत रचना है, जिसकी अपनी खूबियां हैं और उसकी अपनी खूबसूरत यात्रा है, जो वह अपने अनूठे ढंग से जी सकता है।

आज भी नजरिए में बदलाव की जरूरत...

एकता कानूनगो बक्षी

एक समय था जब कई बीमारियां लाइलाज होती थीं। चेचक, मलेरिया और यहां तक कि सामान्य-सा ज्वर भी लंबे समय तक पीड़ादाई बना रहता था। स्वास्थ्य विज्ञानियों द्वारा लगातार अनुसंधान की बदौलत अधिकांश रोगों का इलाज अब है। महत्त्वपूर्ण यह है कि हम अपने कौशल और प्रयासों से अपनी परेशानियों का हल सफलतापूर्वक ढूंढ़ ही लेते हैं। इसके बावजूद कुछ बीमारियां अभी भी लाइलाज बनी हुई हैं। यहां तक कि इनसे पीड़ित व्यक्ति अपने स्तर पर संघर्ष करता है, पर अभी भी उसे उसके हिस्से की स्वस्थ हवा मिलना मुश्किल है। अगर हमारा वातावरण दूषित हो, आसपास के लोग बीमार हों तो हम कभी न कभी अस्वस्थ हो ही जाते हैं। दरअसल, यहां उस वैचारिक बीमारी की भी बात है जो हमारे आसपास सामान्य रूप में विद्यमान है। इस बीमारी को कुछ इस तरह स्वीकार कर लिया गया है, मानो यह सब स्वाभाविक है और कोई गंभीर मुद्दा है ही नहीं।

एक महिला और उसे घेरे में लिए संकुचित विचारधारा वाले बीमार लोगों पर गौर किया जा सकता है, जिनका इलाज अभी तक मिल नहीं पाया है। यह भी देखने में आता है कि आत्मनिर्भर शिक्षित महिला भी हमें अक्सर संघर्ष करती दिखाई दे जाती है, जिससे हम समझ सकते हैं

कि यह रोग बाकी बीमारियों की तरह कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता के लोगों को ही प्रभावित नहीं करता यह मजबूत लोगों को भी व्यथित कर देता है। हम एक ऐसे प्रगतिशील समय में जी रहे हैं, जहां बहुत सारे परिवार अपनी बच्चियों को अपने बेटे की तरह ही हर क्षेत्र में उड़ने की इजाजत देते हैं। यहां तक कि महिलाओं से जुड़े छोटे-बड़े आयोजनों में बेटियों की शिक्षा, विकास और उनके सशक्तीकरण जैसे मुद्दों को उठाया जाता रहा है। कभी शिक्षा, कभी साधन, कभी आरक्षण की मदद उन्हें दी जाती रही है। हर जरूरतमंद तक मदद का हाथ आवश्यक रूप से जाना ही चाहिए। अपनी बच्चियों और महिलाओं को सहूलियत देते हुए हम भीतर से अपने आप को संतुष्टि के भाव से भर लेते हैं, गौरवान्वित होते हैं कि हम स्वस्थ मानसिकता के व्यक्ति हैं, मगर हममें से अधिकांश लोग अधकचरे ज्ञान और समझ से भरे हुए होते हैं। कुछ जगह प्रगतिशील दिखाई देते हैं तो कहीं पीढ़ियों से चली आ रही रूढ़िवादी चीजें हमें लोकलाज के चलते ठीक लगने लगती हैं। ऐसे में हम स्त्रियों पर कुछ बातें जबरदस्ती थोप देते हैं या फिर भावनात्मक रूप से प्रभावित कर परंपराओं और मान्यताओं के बंधन में जकड़ लेने का प्रयास भी करने लगते हैं। किसी अन्य के बजाय व्यक्ति खुद की परिस्थितियों को बेहतर समझ सकता है। किसी भी नियम का अपने जीवन और अपने ऊपर लागू करना खुद समझ सकता है। किसी के ऊपर किसी भी तरह का नियम जबरन लगाना उसके जीवन की स्वाभाविकता पर अतिक्रमण ही होगा। यह कितना उचित है, यह भी समझा जाना चाहिए।

यह प्रेम की श्रेणी में नहीं आता, इसे घुसपैठ माना जा सकता है। कहते हैं प्रकृति को बचाने का सबसे सफल तरीका है, उसे उसके हाल पर छोड़ दिया जाए। वह खुद सक्षम है अपने आपको सुरक्षित और स्वस्थ बनाए रखने के लिए। आवश्यकता है हम अपनी हरकतों पर गौर करें, खुद को बेहतर और समझदार बनाएं, ताकि दूसरों के जीवन मे भी प्राकृतिक हवा बह सके। यह सुखद है कि जीवन के सौंदर्य को बढ़ाते हुए बड़ी ही सावधानी और साहसी कदमों से खुले और स्वस्थ विचार वाले पुरुषों ने अहंकार में लिपटी सोच से एक हद तक खुद को मुक्त किया है। वे संवेदनशीलता के साथ अपने साथी की भावनाओं से जुड़कर साथ खड़े रहने की भरसक कोशिश करते नजर आ रहे हैं। निस्संदेह स्त्रियों के जीवन में ऐसा सहयोग बेहतर उम्मीद जगाता है। हमारी संकुचित, पूर्वाग्रह से बनाई गई किसी भी व्यक्ति की अच्छी बुरी विशिष्ट छवि हमें और हमारे समूचे वातावरण को बीमार करने के लिए पर्याप्त है। हर व्यक्ति इंद्रधनुष के रंगों की तरह भिन्न होता है। उसके व्यक्तित्व को नापने का कोई एक मापदंड नहीं रखा जा सकता। स्त्रियों को भी उनके स्वाभाविक तरीके से उनके स्वतंत्र व्यक्तित्व के रूप में परिपक्व संतुलित नजरिए के साथ देखना और स्वीकार करना जरूरी होगा। महिलाओं से जुड़े विषयों पर आज भी हमारे नजरिए में बदलाव की जरूरत है।

ऐसे में समाज और परिजनों के कुछ सवाल स्त्री के जीवन और उसके हौसलों को निरुत्साहित करने का काम भी कर सकते हैं। मसलन, क्या वह नौकरी करना चाहती है या शादी करना चाहती है या अकेले रहना चाहती है। घर की देखभाल कैसे करेगी, बच्चों का पालन पोषण किस तरह करेगी! ऐसे कई गैरजरूरी सवालों से भरा वातावरण मौजूदा वक्त में 'प्रदूषण' की श्रेणी में रखा जा सकता है और स्त्री मन को बीमारी की ओर ही धकेलता है।

हम जब किसी को अपने से कमतर होने की गलतफहमी पाल लेते हैं या उस पर अनावश्यक हक जताने लगते हैं, उसके ऊपर कई जिम्मेदारियों और नियमों का बोझ डाल देते हैं, तब स्वयं को और दूसरों को भी बीमार बनाने लगते हैं। हमें लगता है कि उस व्यक्ति को हमारे हिसाब से चलना चाहिए, तब उसकी मौलिकता को खत्म कर देने की ओर आगे बढ़ रहे होते हैं।

हमें पता ही नहीं चलता कि उस स्वस्थ इंसान का हम कितना मानसिक और शारीरिक नुकसान कर रहे होते हैं। हमें यह समझना चाहिए कि सामने खड़ा जीता जागता व्यक्ति अपने आप में एक अद्भुत रचना है, जिसकी अपनी खूबियां हैं और उसकी अपनी खूबसूरत यात्रा है, जो वह अपने अनूठे ढंग से जी सकता है। हमें बस कुछ कदम पीछे लेने की जरूरत है, ताकि उसे उसका रास्ता ठीक तरह से नजर आ सके।

पिछले वर्ष हुई परीक्षा,अब तक नहीं मिला मूल्यांकन का पैसा

इंदौर। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित हाईस्कूल और हायर सेकंडरी बोर्ड परीक्षा के बाद मूल्यांकन के काम में लगे मुख्य और उप मुख्य मूल्यांकनकर्ताओं को निर्धारित मानदेय के अलावा मूल्यांकनकर्ताओं की तरह 130 रुपये प्रतिदिन वाहन भत्ता नहीं मिल रहा है। वहीं गत वर्ष अगस्त में हुई पूरक बोर्ड परीक्षाओं के समय मूल्यांकन में लगे शिक्षकों को राशि और भत्ता अब तक नहीं मिला है। इसे लेकर शिक्षकों ने शुक्रवार को माशिमं बोर्ड भोपाल सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा है।शिक्षक संघ के प्रदेश प्रवक्ता और पुरानी पेंशन बहाली संघ के अध्यक्ष दिनेश परमार ने बताया कि बोर्ड पिछले साल अगस्त माह में पूरक परीक्षा के मूल्यांकन कार्य में लगे मूल्यांकनकर्ता शिक्षकों को पारिश्रमिक नहीं मिला है। हमने शासकीय मालव कन्या हायर सेकंडरी स्कूल के प्राचार्य व मूल्यांकन केन्द्राध्यक्ष बबीता हयारण को ज्ञापन सौंप मांग की है कि इस राशि को जल्द से जल्द जारी किया जाए। इसके साथ ही 22 फरवरी से बोर्ड परीक्षाओं की कापियों का मूल्यांकन शुरू हो चुका है। इसमें विषयवार मुख्य व उप मुख्य मूल्यांकनकर्ता बनाए गए हैं, जिन्हें परिवहन भत्ता नहीं दिया जा रहा है, जबकि मूल्यांकनकर्ताओं को 130 रुपये प्रतिदिन का वाहन भत्ता दिया जा रहा है। परमार ने बताया कि पूरक परीक्षा के बाद कई बार हमने अफसरों से पत्राचार किया, लेकिन लाखों रुपये की बकाया राशि जारी नहीं की जा रही है। इस बार मूल्यांकन 22 मार्च तक चलेगा, इसलिए अभी से हम मुख्यालय स्तर पर चर्चा कर रहे हैं, ताकि समय पर राशि जारी हो जाए। मूल्यांकन प्रभारी बबीता हयारण ने बताया कि शिक्षकों द्वारा दिया गया ज्ञापन मुख्यालय स्तर पर भेज दिया गया है। मूल्यांकतकर्ताओं के भत्ते आदि का निर्णय मुख्यालय स्तर पर ही होता है।

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग - मेंस परीक्षा में नहीं बैठ पाएंगे 500 से ज्यादा अभ्यर्थी

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा मुख्य परीक्षा चर्चा में है। प्रीलीम्स 2023 में बाहर हुए करीब 120 अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा में बैठने के लिए हाई कोर्ट से सशर्त अनुमति ले आए हैं। इन अभ्यर्थियों ने प्रीलीम्स में कुछ प्रश्नों को लेकर याचिका लगाई थी, जिस पर कोर्ट ने विशेष अनुमति दी है। अभी भी 500 से ज्यादा अभ्यर्थी ऐसे हैं, जो गलत प्रश्नों के कारण मुख्य परीक्षा में शामिल नहीं हो पाएंगे। राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट आने के बाद कई अभ्यर्थी गलत प्रश्नों के कारण 1-2 नंबरों से बाहर हो गए। ऐसे में कई अभ्यर्थियों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की। याचिकाकर्ताओं को इंदौर हाईकोर्ट ने शर्तों पर मुख्य परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, लेकिन करीब 500 से ज्यादा अभ्यर्थी ऐसे हैं, जो आर्थिक कारणों से याचिका नहीं लगा पाए। इसके चलते अब वह 11 मार्च से शुरू हो रही मुख्य परीक्षा में नहीं बैठ पाएंगे, क्योंकि कोर्ट ने कहा है कि यह कोई जनहित याचिका नहीं है। जिन अभ्यर्थियों ने प्रश्नों को लेकर तय समय में याचिका लगाई है, उन्हीं को सशर्त मंजूरी दी गई है। हाई कोर्ट प्रीलीम्स के सवालों को लेकर अगली सुनवाई 13 मार्च को होगी। इसमें जिन प्रश्नों पर आपत्ति है, उन्हें लेकर कमेटी की रिपोर्ट देखी जाएगी कि क्या जवाब मांगा गया है। कोर्ट ने मामले को याचिकाकर्ताओं और आपत्ति लेने वाले अभ्यर्थियों तक सीमित कर दिया है।

आरटीई - 11 मार्च को राज्य शिक्षा केन्द्र लॉटरी निकालकर विद्यार्थियों की लिस्ट करेगा जारी

भोपाल। निःशुल्क शिक्षा अधिनियम (आरटीई) के तहत प्राइवेट स्कूलों में एडमिशन के लिए 11 मार्च को राज्य शिक्षा केन्द्र लॉटरी निकालकर विद्यार्थियों की लिस्ट जारी करेगा। शनिवार को विद्यार्थियों के डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन का आखिरी दिन था। हालांकि अभी तक प्रदेश व जिले में कितनी सीटों पर एडमिशन होना है, इसकी जानकारी अधिकारियों को नहीं है। राज्य शिक्षा केंद्र के अंतर्गत प्राइवेट स्कूलों में आरटीई के तहत एडमिशन के लिए आवेदन की तारीख पहले 1 मार्च थी, जिसे दो बार बढ़ाया गया। जिले में तकरीबन 10,800 अभिभावकों ने प्राइवेट स्कूल में निशुल्क पढ़ाई के लिए अपने बच्चों का आवेदन किया है। अधिकारियों के अनुसार जिले में आरटीई के अंतर्गत कितने विद्यार्थियों का एडमिशन मिलेगा, इसकी जानकारी भोपाल से आएगी। लॉटरी से पहले सीट संख्या के बारे में पता चलेगा। पिछले साल करीब 5500 विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा के अंतर्गत एडमिशन दिया गया था। ऑनलाइन आवेदन जमा करने में कई पालकों को एमपी ऑनलाइन का सर्वर डाउन और नेट की स्पीड न मिलने के कारण परेशानी आई है। कई बच्चे आवेदन ही नहीं कर पाए है। वहीं जरूरी डॉक्युमेंट के अभाव और समग्र आईडी में केवायसी नहीं होने से भी बड़ी संख्या में पालक आवेदन से वंचित रहे हैं।

बिटकॉइन ने रचा इतिहास, पहली बार 70,000 डॉलर के पार पहुंची कीमत

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में रौनक देखने को मिल रही है। दुनिया की सबसे पुरानी और सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन पिछले कुछ समय से लगातार नई-नई ऊंचाई छू रही है। अब बिटकॉइन ने रिकॉर्ड हाई पर पहुंच कर इतिहास रच दिया है। बिटकॉइन ने पहली बार 70 हजार डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है। अमेरिकी स्पॉट एक्सचेंज ट्रेडेड फंड की लॉन्चिंग के बाद से ही बिटकॉइन की कीमतों ने तेजी पकड़ ली है। साल 2024 में बिटकॉइन की कीमत 50 फीसदी बढ़ी है। दुनिया की तमाम प्रमुख वर्चुअल करेंसीज में इजाफा देखने को मिल रहा है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर बिटकॉइन के अलावा दुनिया की दूसरी कौन-कौन सी क्रिप्टोकरेंसी में इजाफा देखने को मिल रहा है।

बिटकॉइन के दाम 70 हजार डॉलर के पार

बिटकॉइन के दाम शुक्रवार देर शाम 70 हजार डॉलर के पार चले गए हैं। कारोबारी सत्र के दौरान बिटकॉइन की कीमत 70,136.33 डॉलर के साथ रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गई। वैसे बीते 24 घंटे के अंदर बिटकॉइन के दाम 66,238.45 डॉलर पर भी पहुंचे। मौजूदा समय यानी शनिवार (9 मार्च) को बिटकॉइन की कीमत 0.09 फीसदी की तेजी के साथ 68,390.23 डॉलर पर कारोबार कर रही है। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में बिटकॉइन की कीमत में और भी इजाफा देखने को मिलेगा।

क्यों आई तेजी

जानकारों की मानें तो नए अमेरिकी स्पॉट एक्सचेंज-ट्रेडेड क्रिप्टो प्रोडक्ट्स की निवेशकों में डिमांड ज्यादा बढ़ गई है। साथ अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की संभावनाएं देखने को मिल रही है जिसकी वजह से क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में तेजी का फ्लो बना हुआ है। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में ये फ्लो बना हुआ दिखाई दे सकता है। अगले दो महीनों बिटकॉइन की कीमत 75 हजार डॉलर के भी पार जा सकती है। वैसे संभावना जताई जा रही है कि साल के अंत तक बिटकॉइन कीमत एक लाख डॉलर को भी टच कर सकती है।

महिला संचालित स्टार्टअप को रकम जुटाने में हो रही परेशानी, 6 हजार कंपनियां नहीं कर पाई फंडरेजिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में महिला संस्थापकों वाली 8 हजार से ज्यादा स्टार्टअप कंपनियां हैं। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, इन कंपनियों ने अब तक कुल मिलाकर करीब 23 अरब डॉलर की रकम जुटाई है। ट्रैक्शन की रिपोर्ट के मुताबिक, इसके अलावा करीब 6 हजार कंपनियां ऐसी हैं जिसने कोई रकम नहीं जुटाई है। उनमें से 590 कंपनियों का राजस्व 30 हजार डॉलर से अधिक है।

भारतीय प्रौद्योगिकी उद्योग में महिला उद्यमियों की हिस्सेदारी फिलहाल 18 फीसदी से अधिक है और रकम जुटाने वाली कंपनियों हिस्सेदारी 14 फीसदी से ज्यादा है। इसके बावजूद देश में महिलाओं के नेतृत्व वाली स्टार्टअप कंपनियों द्वारा जुटाई गई फंडिंग की हिस्सेदारी बीते एक दशक में बढ़ी है, जो साल 2020 से 2022 तक भारत में कुल स्टार्टअप फंडिंग का 15 फीसदी से अधिक है।

टाटा का शेयर 4 दिन में 36 प्रतिशत चढ़ा

अब ग्रुप का प्लान निवेशकों को देगा झटका!

ईदिल्ली, एजेंसी। पिछले हफ्ते टाटा ग्रुप की कंपनियों के कई कंपनियों के शेयरों में धुंआधार तेजी देखने को मिली थी। लेकिन यह रफ्तार अगले हफ्ते फिकी पड़ सकती है। रिपोर्ट के मुताबकि टाटा संस आईपीओ लाने से बचने की कोशिश कर रहा है। इसका बुरा असर टाटा केमिकल्स पर सबसे अधिक पड़ेगा। बता दें, 4 दिन में टाटा केमिकल्स के शेयरों में 36 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली थी। बुलेट ट्रेन की तरह भाग रहा है रेलवे का यह शेयर, कंपनी को मिला 1900 करोड़ रुपये का काम

क्या है मामला

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के नियमों के तहत टाटा संस को सितंबर 2025 तक लिस्ट होना होगा। समूह इससे बचने की कोशिश कर रहा है। ईकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पास टाटा संस ने याचिका भी दायर की थी। लेकिन लिस्टिंग से बचने वाली इस याचिका को रिजर्व बैंक रद्द कर दिया था।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार लिस्टिंग से बचने के लिए टाटा संस अपने बैलेंस शीट का रिस्ट्रक्चर करने के विकल्प तलाश रहा है। यदि कर्ज को चुका कर लोन को रिस्टक्चर करने में टाटा संस सफल रहा और टाटा कैपिटल में अपनी होल्डिंग को किसी अन्य यूनिट में ट्रांसफर करता है तो ऐसी स्थिति में उसे एक इनवेस्टमेंट या अपर लेयर के तौर पर डिरजिस्टर्ड किया जा सकेगा। इससे समूह लिस्टिंग लाने से बच जाएगा।

टाटा के इन कंपनियों के शेयरों में तूफानी तेजी

इस पूरे घटनाक्रम से जिस कंपनी पर सबसे बुरा असर पड़ सकता है वह टाटा केमिकल्स है। मौजूदा समय में टाटा केमिकल्स की कुल हिस्सेदारी टाटा संस में 3 प्रतिशत की है। बता दें, पिछले हफ्ते ऑटोमोबाइल कॉरपोरेश ऑफ गोवा, टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन, रेलीज इंडिया, टाटा पॉवर कंपनी के शेयरों में क्रमशः 33 प्रतिशत, 28 प्रतिशत, 14 प्रतिशत और टाटा पॉवर के शेयरों में 13 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। बता दें, टाटा ग्रुप की तरफ से टाटा संस के आईपीओ को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। लेकिन रिपोर्ट्स के सामने आने के बाद लोगों ने पिछले हफ्ते टाटा ग्रुप की कंपनियों के शेयरों को खरीदने लगे थे।

प्याज की बढ़ती कीमत को कंट्रोल करने के लिए सरकार ने बनाया प्लान!

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार इस साल अपने बफर स्टॉक के लिए पांच लाख टन प्याज खरीदने की योजना बना रही है। इसका उपयोग कीमत बढ़ने की स्थिति में उसे काबू में करने के लिए किया जा सकता है। सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि सरकार की तरफ से एनसीसीएफ (नेशनल कॉअपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लि.) और नैफेड (नेशनल एग्रीकल्चरल कॉअपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लि.) जैसी एजेंसियां प्याज की खरीद करेंगी।

खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने पिछले साल पांच लाख टन का बफर स्टॉक बनाया था। इसमें से एक लाख टन अभी भी उपलब्ध है। सूत्रों ने कहा कि अपने 'बफर स्टॉक से रियायती दर पर प्याज बेचने के सरकार के फैसले से कीमतों को नियंत्रित करने में

मदद मिली है। सरकार इस महीने के अंत में प्याज निर्यात पर प्रतिबंध हटाने पर फैसला लेगी। यह रोक 31 मार्च तक है। सरकार की बफर स्टॉक बनाने की योजना 2023-24 में प्याज के उत्पादन में गिरावट के अनुमान के बीच आई है। कृषि मंत्रालय के बृहस्पतिवार को जारी बयान के अनुसार, ''प्याज का उत्पादन 2023-24 में लगभग 254.73 लाख टन होने की उम्मीद है, जबकि पिछले साल यह लगभग 302.08 लाख टन था। महाराष्ट्र में 34.31 लाख टन, कर्नाटक में 9.95 लाख टन, आंध्र प्रदेश में 3.54 लाख टन और राजस्थान 3.12 लाख टन की उपज कम होने से कुल उत्पादन में यह गिरावट आने की आशंका है। आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2021-22 में प्याज का उत्पादन 316.87 लाख टन रहा था।

ग्रे मार्केट में धमाल मचाए है शेयर, 2 दिन में 51 गुना हुआ सब्सक्राइब, दांव लगाने का बचा है एक मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। टेक्सटाइल इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी श्री कर्णी फैबकॉम के आईपीओ को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। कंपनी के आईपीओ में शुरुआती 2 दिन में ही 51 गुना से ज्यादा दांव लग गया है। श्री कर्णी फैबकॉम के आईपीओ में दांव लगाने का एक मौका अभी बचा हुआ है। कंपनी का आईपीओ 11 मार्च 2024 तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला हुआ है। श्री कर्णी फैबकॉम का आईपीओ दांव लगाने के लिए 6 मार्च को खुला था। कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में धमाल मचाए हैं। श्री कर्णी फैबकॉम के शेयर ग्रे मार्केट में 110 पर्सेंट से ज्यादा के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं।

श्री कर्णी फैबकॉम के आईपीओ का प्राइस बैंड 220 से 227 रुपये है। वहीं, ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर 250 रुपये के प्रीमियम के साथ ट्रेड कर रहे हैं।

227 रुपये के अपर प्राइस बैंड पर श्री कर्णी फैबकॉम के शेयर 477 रुपये पर लिस्ट हो सकते हैं। यानी, जिन इनवेस्टर्स को आईपीओ में कंपनी के शेयर अलॉट होंगे, वह लिस्टिंग वाले दिन 110 पर्सेंट से अधिक का फायदे की उम्मीद कर सकते हैं। यानी, कंपनी के शेयरों में निवेशकों का पैसा पहले ही दिन दोगुना हो सकता है। श्री कर्णी फैबकॉम के शेयर 14 मार्च 2024 को बाजार में लिस्ट होंगे। श्री कर्णी फैबकॉम का आईपीओ शुरुआती 2 दिन में ही 51.45 गुना सब्सक्राइब हो गया है। कंपनी का आईपीओ अभी एक और दिन सब्सक्रिप्शन के लिए खुला हुआ है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 86.24 गुना सब्सक्राइब हुआ है। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स का कोटा 37.93 गुना सब्सक्राइब हुआ है। जबकि क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्सका कोटा 0.71 गुना सब्सक्राइब हुआ है। श्री कर्णी फैबकॉम की शुरुआत मार्च 2018 में हुई थी। कंपनी लगेज, मेडिकल आर्क सपोर्ट, चेयर, शू और अपैरल इंडस्ट्री के लिए कस्टमाइज्ड और वुवेन फैब्रिक्स तैयार करती है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स 1 लॉट के लिए बोली लगा सकते हैं। आईपीओ की एक लॉट में 600 शेयर हैं।

शरद पवार के पोते के स्वामित्व वाली चीनी मिल की 50 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र सहकारी बैंक घोटाले मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने बारामती एग्रो लिमिटेड के स्वामित्व वाली कन्नड़ सहकारी साखर कारखाना लिमिटेड की 50.20 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। केंद्रीय एजेंसी ने यह कार्रवाई पीएमएलए के तहत की है। ईडी ने इस कार्रवाई को लेकर बयान भी जारी किया है। इसमें केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि औरंगाबाद के कन्नड गांव में स्थित कन्नड सहकारी साखर कारखाना लिमिटेड (कन्नड एसएसके) की 161.30 एकड़ जमीन, संयंत्र, मशीनरी एवं भवन को धनशोधन रोकथाम अधिनियम के तहत अंतरिम रूप से कुर्क किया गया है। गौरतलब है कि यह मामला महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक द्वारा चीनी मिलों की अवैध बिक्री से जुड़ा है। बारामती एग्रो लिमिटेड कंपनी राकांपा प्रमुख शरद पवार के पोते और विधायक रोहित पवार की है। मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला 2019 में प्रकाश में आया जब मुंबई पुलिस के आर्थिक अपराध शाखा ने इस मामले की एफआईआर दर्ज कराई थी। इससे पहले, इस मामले में पांच जनवरी को एजेंसी ने रोहित पवार की कंपनी बारामती एग्रो के बारामती, पुणे, औरंगाबाद समेत अन्य परिसरों में छापेमारी की थी।इसके बाद केंद्रीय एजेंसी ने रोहित पवार को मामले में पूछताछ के लिए तलब किया था। ईडी की कार्रवाई पर शरद पवार की पुत्री सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि यह विपक्ष पर दबाव बनाने की कोशिश है।

Bitcoin smashes through $70000 mark

Bitcoin rallied to a record high on Friday in volatile trade, as crypto mania continued to sweep through the investment community. The leading cryptocurrency topped the $|®,®®® mark for the first time, boosted by investor demand for new U.S. spot e&change-traded crypto products and e&pectations for global interest rates to fall. Billions of dollars have flowed into ETFs in the past few weeks and the market is getting e&tra support from an outlook that includes an upgrade to the ethereum blockchain platform, home to bitcoin rival ether, and a bitcoin "halving" event, which slows the flow of bitcoin minting, in April.

The approval of vv spot bitcoin ETFs by the U.S. Securities and E&change Commission in late January had marked a watershed moment for the industry, following an v}-month long crypto winter plagued by a string of high-profile corporate bankruptcies and scandals. Even institutional investors who once shunned crypto due to its sharp and wild moves, have begun committing long-term money too, which analysts say could help sustain the latest leg of this rally.

Net flows into the v® largest U.S. spot bitcoin funds reached $w.w billion in the week ended March v, with more than $w billion of that going into BlackRock's iShares Bitcoin Trust, according to LSEG data. The recent optimism over bitcoin has also spilled over to other digital tokens, particularly ether, which ranks second behind bitcoin in terms of total market value, up more than {®% since the start of the year. Still, some say it's hard to shake off the speculative nature of these assets. After hitting the record high on Tuesday, bitcoin sharply reversed course and fell more than v®% back below the ${®,®®® level.

6 महीने में 1.20 लाख रुपये के बनाए 14 लाख, 75 रुपये का शेयर अब 900 के पार पहुंचा

नईदिल्ली, एजेंसी। 6 महीने पहले आए एक आईपीओ ने निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। यह बोंडाडा इंजीनियरिंग का आईपीओ है। कंपनी का आईपीओ 18 अगस्त 2023 को खुला था। आईपीओ में बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयरों का दाम 75 रुपये था। शानदार लिस्टिंग के बाद ताबड़तोड़ तेजी दिखाते हुए कंपनी के शेयर 7 मार्च 2024 को 910 रुपये पर बंद हुए हैं। बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर अपने इश्यू प्राइस से 1100 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 949.95 रुपये है। वहीं, बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 142.50 रुपये है।

1.20 लाख रुपये के बन गए 14.56 लाख रुपये

बोंडाडा इंजीनियरिंग का आईपीओ 18 से 22 अगस्त 2023 तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स 1 लॉट के लिए दांव लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 1600 शेयर थे। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को आईपीओ में 1.20 लाख रुपये का निवेश करना पड़ा। जिन निवेशकों को आईपीओ में बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर अलॉट हुए और उन्होंने अब तक कंपनी के शेयर अपने पास बनाए रखे हैं, उन्हें तगड़ा फायदा हुआ है। बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर 7 मार्च 2024 को 910 रुपये पर बंद हुए हैं। ऐसे में एक लॉट में मिले 1600 शेयरों की मौजूदा वैल्यू 14.56 लाख रुपये पहुंच गई है। बोंडाडा इंजीनियरिंग का आईपीओ टोटल 112.28 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 100.05 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, आईपीओ की अदर्स कैटेगरी में 115.46 गुना दांव लगा था। बोंडाडा इंजीनियरिंग के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 42.72 करोड़ रुपये का था। कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के स्म्ब्ध प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए हैं। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 86 पर्सेंट थी, जो कि अब 63.33 पर्सेंट रह गई है।

प्याज-टमाटर के दाम बढ़ने से फरवरी में वेज थाली हुई महंगी, नॉनवेज के गिरे दाम

मुंबई एजेंसी। प्याज और टमाटर के दाम बढ़ने से शाकाहारी थाली फरवरी महीने में सात प्रतिशत महंगी हो गई जबकि चिकन सस्ता होने से मांसाहारी थाली नौ प्रतिशत तक सस्ती हुई। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस ने 'रोटी चावल कीमत पर शुक्रवार को जारी अपनी मासिक रिपोर्ट में कहा कि फरवरी में पोल्ट्री की कीमतों में गिरावट के कारण मांसाहारी थाली नौ प्रतिशत तक सस्ती हो गई है।

शाकाहारी थाली की कीमत फरवरी में बढ़कर 27.5 रुपए हो गई जो एक साल पहले की समान अवधि में 25.6 रुपए थी। इस थाली में रोटी, सब्जी (प्याज, टमाटर और आलू), चावल, दाल, दही और सलाद शामिल हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक, ''प्याज और टमाटर की कीमतों में सालाना आधार पर क्रमश- 29 प्रतिशत और 38 प्रतिशत की वृद्धि के कारण शाकाहारी थाली की लागत बढ़ी है। इसके अलावा चावल और दाल भी महंगी हुई हैं। हालांकि जनवरी के 28 रुपए की तुलना में पिछले महीने की शाकाहारी थाली सस्ती है। मांसाहारी थाली के मामले में कीमत एक साल पहले की अवधि में 59.2 रुपए की तुलना में घटकर 54 रुपए हो गई। हालांकि जनवरी के 52 रुपए की तुलना में अधिक है। इस थाली में शाकाहारी थाली वाली दाल की जगह चिकन ने ले ली है। 'ब्रॉयलर मुर्गे की कीमतों में 20 प्रतिशत की गिरावट आई। इसका कुल मूल्य में 50 प्रतिशत भारांश है। सालाना आधार पर मांसाहारी थाली की कीमत में गिरावट का मुख्य कारण यही है। रिपोर्ट के मुताबिक, आंध्र प्रदेश में बर्ड फ्लू फैलने से रमजान के पवित्र महीने से पहले आपूर्ति प्रभावित होने और मांग बढ़ने से फरवरी में ब्रॉयलर की कीमतों में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

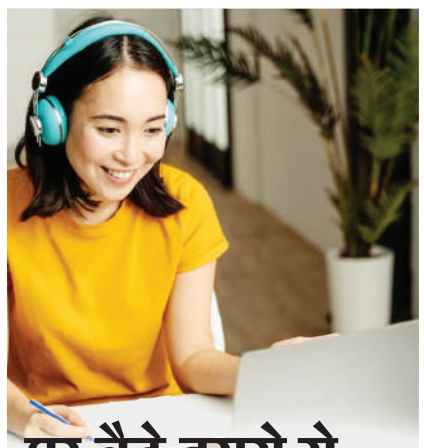

घर बैठे इसरो से करें फ्री ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से शैक्षिक संसाधनों को उपलब्ध कराने के लिए कई फ्री पाठ्यक्रम प्रदान किए हैं। पूरा करने पर सर्टिफिकेट दिया जाता है।

रिमोट सेंसिंग के क्षेत्र में प्रोफेशनल के नॉलेज एंड स्किल्स को डेवलपमेंट करने के लिए इसरो द्वारा फ्री ऑनलाइन कोर्स की शुरुआत की गई है। यह ऑनलाइन कोर्स भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के तहत भारतीय रिमोट सेंसिंग संस्थान (आईआईआरएस) द्वारा प्रदान किया जा रहा है। आईआईआरएस की ओर से शुरू एडवांस इन रिमोट सेंसिंग टेक्निक्स फॉर जियोलॉजिकल एप्लीकेशन कोर्स प्रोफेशनल को रिमोट सेंसिंग के क्षेत्र में प्रैक्टिकल विशेषज्ञता को हासिल करने के मकसद से डिजाइन किया गया है। रिमोट सेंसिंग फॉर जियोलॉजिकल कोर्स अनेक एप्लीकेशन से संबंधित है, जिसमें मैपिंग, मॉनिटरिंग आदि पहलू शामिल है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से शैक्षिक संसाधनों को उपलब्ध कराने के लिए कई फ्री पाठ्यक्रम प्रदान किए हैं। इन पाठ्यक्रमों को पूरा करने के बाद, सर्टिफिकेट दिया जाता है। ये पाठ्यक्रम कई विषयों पर आधारित हैं और उन्हें अपने करियर में इस्तेमाल किया जा सकता है।

कोर्स में शामिल हैं ये विषय

भूविज्ञान में रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के मूलभूत सिद्धांत, जिसमें ऑप्टिकल थर्मल, माइक्रोवेव, हाइपरस्पेक्ट्रल आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त भू-वैज्ञानिक विज्ञान में रिमोट सेंसिंग की भूमिका, लैंडस्लाइड, मैपिंग और मॉडलिंग जीएनएसएस, जियोडेसी और जियोफिजिक्स का एकीकरण और ग्रहों की खोज आदि विषय रिमोट सेंसिंग पाठ्यक्रम में शामिल है।

कौन है आवेदन के लिए पात्र

एडवांस इन रिमोट सेंसिंग टेक्निक्स फॉर जियोलॉजिकल एप्लीकेशन फ्री ऑनलाइन कोर्स के लिए अर्थ साइंस में स्नातकोत्तर छात्र व उसके समकक्ष विषय जैसे जियोलॉजी, एप्लाइड जियोलॉजी, जियोफिजिक्स, अर्थ साइंस, जियो एक्सप्लोरेशन, जियोग्राफी आदि विषय और सिविल इंजीनियरिंग, जियोसाइंस, माइनिंग इंजीनियरिंग में बीटेक छात्र इस कोर्स में आवेदन करने के पात्र हैं।

कोर्स स्टडी मैटेरियल

ई-क्लास प्लेटफॉर्म के जरिये पेशेवरों को लेक्चर स्लाइड, वीडियो रिकॉर्डेड लेक्चर आदि स्टडी मैटेरियल प्रदान किए जाएंगे।

सर्टिफिकेट दिया जाएगा

नोडल सेंटर के माध्यम से रजिस्ट्रेशन करने वाले छात्रों को 70 फीसदी उपस्थिति के आधार पर प्रमाण-पत्र दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से पंजीकरण किया है, उन छात्रों को पाठ्यक्रम के प्रत्येक सत्र में 70 फीसदी घंटे उपस्थित होना होगा। व्यक्तिगत रूप से पंजीकरण करने वाले छात्र इसरो एलएमएस के माध्यम से ऑनलाइन सर्टिफिकेट डाउनलोड कर सकते हैं।

ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स के फायदे

- ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स सुविधाजनक होते हैं और घर से आसानी से प्राप्त किए जा सकते हैं।
- आपको किसी विशेष स्थान पर जाने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे समय और प्रयास दोनों की बचत होती है।
- ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स आपको अपने नॉलेज एंड स्किल्स को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।
- ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स आपको नई चीजें सीखने और अपने नॉलेज का विस्तार करने में मदद कर सकते हैं।
- ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स आपको अपने नेटवर्क का विस्तार करने और नए लोगों से मिलने में मदद कर सकते हैं।
- इसके साथ ही आप दुनिया भर के विशेषज्ञों से अपने पसंदीदा विषय सीख सकते हैं।

ललित कला स्नातक एक स्नातक की डिग्री है जो आपको दृश्य, ललित या प्रदर्शन कला में एक पेशेवर कॅरियर के लिए तैयार करती है। आपका कोर्सवर्क आपके फाइन आर्ट्स मेजर पर निर्भर करता है। कुछ प्रमुख जो आप ललित कला स्नातक के साथ कर सकते हैं उनमें फोटोग्राफी, कला इतिहास और नृत्य शामिल हैं।

एक पेशेवर कॅरियर के लिए तैयार करती है ललित कला की डिग्री

ललित कला स्नातक एक स्नातक की डिग्री है जो आपको दृश्य, ललित या प्रदर्शन कला में एक पेशेवर कॅरियर के लिए तैयार करती है। आपका कोर्सवर्क आपके फाइन आर्ट्स मेजर पर निर्भर करता है। कुछ प्रमुख जो आप ललित कला स्नातक के साथ कर सकते हैं उनमें फोटोग्राफी, कला इतिहास और नृत्य शामिल हैं।

अधिकांश कार्यक्रमों में रचनात्मक अभ्यास के घंटों के साथ-साथ कक्षा निर्देश शामिल हैं। अंतत:, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स की डिग्री आपको कला में विभिन्न प्रकार के करियर विकल्पों के साथ एक अच्छी तरह से शिक्षा प्रदान करती है। मुख्य ललित कलाएं फिल्म, नृत्य, पेंटिंग, फोटोग्राफी, वास्तुकला, मिट्टी के बर्तन, वैचारिक कला, मूर्तिकला, संगीत, प्रिंटमेकिंग, इंटीरियर डिजाइन और नाटक हैं। यह छात्रों को कलाकार बनने और कला के निर्माण से जुड़ी अन्य प्रथाओं का पालन करने के लिए सिखाता है और तैयार करता है। अरस्तू के अनुसार, ''कला का मुख्य उद्देश्य चीजों की बाहरी उपस्थिति का प्रतिनिधित्व नहीं करना है, बल्कि उनके आंतरिक महत्व का भी प्रतिनिधित्व करना है''।

पाठ्यक्रम और अवधि

ललित कला पाठ्यक्रमों में बड़ी संख्या में प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और डिग्री स्तर के पाठ्यक्रम हैं जो विभिन्न संस्थानों द्वारा पेश किए जाते हैं। आप ललित कला में स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रम भी कर सकते हैं। पाठ्यक्रमों की अवधि 1 से 5 वर्ष तक होती है।

डिप्लोमा कोर्स

ललित कला में डिप्लोमा: यह एक वर्षीय पाठ्यक्रम है। यह कोर्स 12वीं के बाद किया जा सकता है।

स्नातक के अंतर्गत का पाठ्यक्रम:

बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) या बैचलर ऑफ विजुअल आर्ट्स (बीवीए): इस कोर्स की अवधि 4 से 5 साल है।

ललित कला में कला स्नातक (बीए): यह तीन साल की अवधि का कार्यक्रम है।

परास्नातक पाठ्यक्रम

- मास्टर ऑफ फाइन आर्ट (एमएफए) या मास्टर इन विजुअल आर्ट्स (एमवीए): यह दो साल की अवधि का कार्यक्रम है।
- ललित कला में मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए): इस पाठ्यक्रम की अवधि आम तौर पर दो वर्ष की होती है।
- कुछ संस्थान पत्राचार और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। दो प्रसिद्ध संस्थान इग्नू, दिल्ली और दिल्ली विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग पत्राचार में ललित कला पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं।

ललित कला में आवश्यक कौशल

- आपके द्वारा बनाई गई ड्राइंग आगंतुक की नजर में यथार्थवादी होनी चाहिए।
- आपको कला सामग्री और उनका उचित उपयोग कैसे करना है, इसकी जानकारी होनी चाहिए।
- अपने काम की प्रस्तुति और प्रदर्शन उचित तरीके से और सटीक होना चाहिए।
- आपके पास रचनात्मकता होनी चाहिए।
- रंग और रंग सिद्धांत के साथ प्रयोग की जाने वाली तकनीकें होनी चाहिए।
- संचार और पारस्परिक कौशल आपके भीतर मौजूद होनी चाहिए।
- आपको कुछ नवीनतम तकनीकों के साथ उपयोग किए जाने वाले सभी डिजिटल मीडिया का ज्ञान होना चाहिए।

एडमिशन

- आप किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से उच्च माध्यमिक शिक्षा (12वीं) की परीक्षा पूरी करने के बाद डिप्लोमा या डिग्री कोर्स कर सकते हैं। आप कुछ बीएफए संस्थानों द्वारा आयोजित योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।
- यदि आप मास्टर प्रोग्राम में शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको ललित कला में स्नातक की डिग्री प्राप्त करनी होगी।

कुछ प्रसिद्ध कॉलेज जो ललित कला में यूजी और पीजी पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं:

- हैदराबाद विश्वविद्यालय
- दिल्ली विश्वविद्यालय
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
- एमिटी विश्वविद्यालय
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स, दिल्ली

कॅरियर और नौकरियां

आज विभिन्न क्षेत्रों में ललित कला के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। उत्कृष्ट वेतन, लोकप्रियता और प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए, भारत की युवा आबादी इस क्षेत्र में आकर्षित हो रही है।

- स्नातक पूरा करने के बाद छात्रों के पास एक कला शिक्षक, सरकारी कार्यालयों में कलाकार या फोटोग्राफर के रूप में काम करने का विकल्प होता है। आप एक स्वतंत्र कार्यकर्ता के रूप में भी अपना करियर शुरू कर सकते हैं और निर्देशन, कपड़े, फोटोग्राफी, टेलीविजन और फैशन के लिए जा सकते हैं।
- आप अकादमिक, वास्तुकला और फिल्म उद्योग में भी करियर बना सकते हैं। आप प्रकाशन या कपड़ा उद्योग में पत्रिकाओं, विज्ञापन एजेंसियों और समाचार पत्रों के रचनात्मक विभागों में शामिल हो सकते हैं।
- ललित कला स्नातक मुख्यधारा के स्नातक रोजगार और उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला में प्रशिक्षण के लिए भी आवेदन कर सकते हैं, उदाहरण के लिए, बैंकिंग, आर्ट गैलरी, बीमा, मीडिया और जनसंपर्क।
- उम्दा कलाकार विभिन्न प्रकार के मीडिया और तकनीकों का उपयोग करके कलाकृति का निर्माण करने का काम करते हैं।
- आप अपने काम को संग्रहालयों, निजी दीर्घाओं में प्रदर्शित कर सकते हैं या निजी संग्रह रख सकते हैं और अपने काम के लिए पुरस्कृत हो सकते हैं। आपके द्वारा बनाई गई वस्तुएं स्टूडियो, नीलामी, स्टोर या कला और शिल्प शो में बिकेंगी।
- फाइन आर्ट्स में स्कोप काफी अच्छा है, आप इस प्रोफेशनल कॅरियर के तहत सम्मान और पैसा दोनों कमा सकते हैं। मल्टीमीडिया कलाकार और एनिमेटर मोशन पिक्चर या वीडियो गेमिंग उद्योगों में काम करते हैं।

प्रमुख जॉब प्रोफाइल इस प्रकार हैं:

- आर्ट थेरेपिस्ट
- मल्टीमीडिया प्रोग्रामर
- ड्राइंग टीचर
- सेट डिजाइनर
- प्रोडक्शन आर्टिस्ट
- यूजिक टीचर
- रचनात्मक निदेशक
- संपादक
- फर्नीचर डिजाइनर
- कला निर्देशक
- 3डी कलाकार
- एनिमेटर

रोजगार के क्षेत्र :

- विज्ञापन कंपनियां
- बुटीक
- कला स्टूडियो
- थियेटर
- सिलाई की दुकानें
- फैशन हाउस
- शिक्षा संस्थान
- टेलीविजन उद्योग
- एनीमेशन
- शिक्षण
- वस्त्र उद्योग
- स्कल्पचर

सैलरी पैकेज

वेतन नौकरियों के आधार पर अलग-अलग होते हैं। ललित कला में स्नातक 2 से 3 लाख रुपये प्रति वर्ष के बीच कमा सकता है। हालांकि यह उनकी प्रतिभा के आधार पर निर्भर करता है। अनुभव और ज्ञान के साथ-साथ सैलरी पैकेज में भी बढ़ोतरी होती रहती है। जो लोग विज्ञापन एजेंसियों और पब्लिशिंग हाउसेस में काम करना चाहते हैं, वे लगभग 4 से 5 लाख रुपये प्रति वर्ष का आकर्षक वेतन कमा सकते हैं।

ऑर्गेनिक फार्मिंग कैसे करें शुरूआत?

देश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, वहीं यह सेक्टर पचास फीसद से ज्यादा आबादी को रोजगार भी उपलब्ध कराता है। इसके अलावा हाल के वर्षों में जिस तरह से कृषि क्षेत्र में आधुनिकीकरण हुआ है, इसमें नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढ़ा है, पारंपरिक खेती के साथ-साथ ऑर्गेनिक और इनोवेटिव फार्मिंग हो रही है, उसने एग्रीकल्चर के प्रति समाज और खासकर युवाओं का नजरिया काफी हद तक बदला है। यही कारण है कि बीते कुछ समय में आईआईटी और आईआईएम से पास-आउट कई युवाओं ने मल्टीनेशनल कंपनियों की जॉब छोड़कर एग्रीकल्चर और एग्रीबिजनेस की ओर रुख किया है। इनके अलावा भी दूसरे सेक्टरों में काम करने वाले युवा हॉर्टिकल्चर, डेयरी, ऑर्गेनिक और पोल्ट्री फार्मिंग जैसे पेशे से जुड़ रहे हैं। उन्हें गर्व है कि वे देश और किसानों के लिए कुछ सकारात्मक कर पा रहे हैं।

ऑर्गेनिक खेती का जिक्र तो आजकल बहुत हो रहा है, लेकिन सवाल यह है कि अगर किसी को इसमें करियर बनाना है, तो वह क्या करे। गौरतलब है कि यह ऐसी खेती है, जिसमें सिंथेटिक खाद, कीटनाशक आदि जैसी चीजों के बजाय तमाम ऑर्गेनिक चीजें जैसे गोबर, वर्मी कंपोस्ट, बॉयोफर्टिलाइजर्स, क्रॉप रोटेशन तकनीक आदि का इस्तेमाल किया जाता है। कम जमीन में, कम लागत में इस तरीके से पारंपरिक खेती के मुकाबले कहीं ज्यादा उत्पादन होता है। यह तरीका फसलों में जरूरी पोषक तत्वों को संरक्षित रखता है और नुकसानदेह केमिकल्स से दूर रखता है। साथ ही यह पानी भी बचाता है और जमीन को लंबे समय तक उपजाऊ बनाए रखता है। यह पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मददगार है।

कैसे करें शुरूआत?

अगर आपको ऑर्गेनिक खेती शुरू करनी है, तो सबसे पहले आपको इसका प्रोजेक्ट या ब्लू प्रिंट बनाना होगा। यह तय करना होगा कि कितनी जमीन पर यह खेती करेंगे। जमीन की लोकेशन क्या है? जमीन किस फसल के लिए अच्छी है? आपका बजट कितना है? यह प्रोजेक्ट किसी भी चार्टर्ड एकाउंटेंट से बनवा सकते हैं। इसके बाद आपको फॉर्म 1 ए-1, 1 ए-3, 1जी और फॉर्म 11 भरकर रजिस्ट्रेशन फीस के साथ अपने राज्य के डिपार्टमेंट ऑफ ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन में जमा करना होगा।

सरकार देती है सब्सिडी

कृषि वैज्ञानिक आपकी जमीन की जांच करेंगे और यह तय करेंगे कि इसकी मिट्टी किस फसल की खेती के लिए अच्छी है। इसके बाद आपका प्रोजेक्ट कृषि विभाग में पास होने के लिए भेज दिया जाएगा। ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए तकरीबन हर राज्य में सरकार 80 से 90 फीसद तक सब्सिडी देती है। मतलब यह आपको पूरे प्रोजेक्ट में 10 से 20 फीसद ही इनवेस्ट करना होगा। प्रोजेक्ट पास होने के बाद ऑर्गेनिक फार्मिंग टेक्निक वाली कंपनियां सेटअप लगाने के लिए आपसे खुद संपर्क करती हैं। सरकार से मिले पैसों से ये कंपनियां आपकी जमीन पर ग्रीन हाउस और ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए सेटअप लगाती है। साथ ही आपको ट्रेनिंग भी देती हैं।

पूरे देश में चल रहा प्रोजेक्ट

सरकार की ओर से नेशनल ऑर्गेनिक फार्मिंग प्रोजेक्ट भी चलाया जा रहा है। इसके सेंटर की वेबसाइट से आप और भी जानकारी ले सकते हैं। दिल्ली स्थित पूसा इंस्टीट्यूट से भी पूरी जानकारी और ट्रेनिंग ले सकते हैं।

सिर्फ मानसून पर निर्भर नहीं कृषि

कृषि अब पूरी तरह से मानसून पर निर्भर नहीं है। वैज्ञानिक तरीके से अगर खेती की जाए, तो फसल भी अच्छी होती है और पानी भी कम लगता है। पहले जैसे सूखे के हालात अब नहीं पैदा होते। अब बारिश के पानी का स्टोरेज भी बेहतर तरीके से किया जाता है। इससे बारिश कम होने पर भी फसलों को पर्याप्त पानी मिल जाता है। एग्रीकल्चर स्वरोजगार का सबसे अच्छा साधन है। इससे अब अच्छी कमाई भी की जा सकती है। बहुत से प्रोफेशनल फार्मर साइंटफिक फार्मिंग के जरिये न सिर्फ अच्छा पैसा कमा रहे हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रहे हैं। यही नहीं, प्राइवेट और गवर्नमेंट दोनों सेक्टरों में एग्रीकल्चर का स्कोप तेजी से बढ़ रहा है।

ऊर्जा का अहम स्त्रोत होने के नाते पेट्रोलियम की उपयोगिता से सभी वाकिफ हैं। भारत पेट्रोलियम पदार्थों की अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेश से आयात करता है। अगर आंकड़ों की मानें तो पेट्रोलियम पदार्थों के उपयोग में भारत विश्व का आठवां बड़ा देश है। एचपीसीएल, बीपीसीएल, रिलायंस, इंडियन ऑयल जैसी कंपनियों से सरकार को भारी-भरकम राजस्व मिलता है।

अवसरों से भरा पड़ा है पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी का क्षेत्र

पहले इस क्षेत्र में जियोलॉजिस्ट की काफी मांग थी, समय बदलने के साथ मैकेनिकल क्षेत्र के विशेषज्ञों ने इस इंडस्ट्री में अपनी धाक जमाई। करियर की अनेक संभावनाओं को देखते हुए इस क्षेत्र में प्रबंधन से लेकर इंजीनियरिंग तक के कोर्स शुरू हुए हैं।

कोर्स

पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी ने बीबीए, एमबीए, एमटेक, बीटेक, एमएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। इसके अलावा देश के चुनिंदा संस्थानों ने पेट्रोलियम के क्षेत्र में बीई, बीटेक, एमई, एमटेक, एमएससी और बीएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। ये सभी कोर्स पेट्रोकैमिकल इंजीनियरिंग, पेट्रोटेक्नोलॉजी, गैस इंजीनियरिंग, पेट्रोमार्केटिंग आदि में शुरू किए हैं।

योग्यता

बारहवीं की परीक्षा भौतिक विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान से 50 प्रतिशत अंकों से पास करने के बाद आप इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। कैमिकल और पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में बीई और बीटेक कर चुके छात्र पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में एमटेक के लिए आवेदन कर सकते हैं। बीबीए में प्रवेश के लिए बारहवीं किसी भी संकाय से उत्तीर्ण होना जरूरी है।

स्टडी कोर्स

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में छात्र जियोलॉजी, भौतिकी और इंजीनियरिंग के सिद्धांतों द्वारा पेट्रोलियम की रिकवरी, डेवलपमेंट और प्रोसेसिंग के बारे में जानते हैं। इसके अलावा ड्रिलिंग, मैकेनिक्स, पर्यावरण संरक्षण और पेट्रोलियम जैसे विषयों पर छात्रों की पकड़ बनाई जाती है। पेट्रोलियम इंडस्ट्री को मुख्य तौर पर दो भागों में बांट कर देख सकते हैं- अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम सेक्टर। अपस्ट्रीम सेक्टर में खोज, उत्पादन व तेल और प्राकृतिक गैसों का दोहन कैसे किया जाए, इसकी शिक्षा व ट्रेनिंग दी जाती है। डाउनस्ट्रीम सेक्टर में रिफाइनिंग, मार्केटिंग और वितरण से संबंधित पूरी जानकारी दी जाती है। पेट्रोलियम के क्षेत्र में टीम की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती है। एक पेट्रोलियम इंजीनियर को जियोलॉजिस्ट, अन्वेषणकर्ता, इंजीनियर, पर्यावरण क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ काम करना पड़ता है।

अवसर

पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नौकरी की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। लगभग आठ लाख लोगों को रोजगार देने वाला यह क्षेत्र अवसरों से भरा पड़ा है। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम, रिलायंस, ओएनजीसी, पेट्रोनेट जैसी नामी-गिरामी कंपनियों के द्वार आपके लिए खुले हैं। जिस तरह पेट्रोल के नए भंडार और क्षेत्र मिल रहे हैं, उससे यह क्षेत्र आने वाले समय में बड़ा लाभकारी साबित होगा।

भारत ने धर्मशाला टेस्ट में इंग्लैंड की उड़ाई धज्जियां, सीरीज को 4-1 से किया अपने नाम

धर्मशाला, एजेंसी। भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ खेली जा रही 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के आखिरी मुकाबले को पारी और 64 रनों के अंतर से अपने नाम करने के साथ सीरीज को भी 4-1 से जीतने में सफलता हासिल की। इस मुकाबले की पहली पारी में इंग्लैंड की टीम सिर्फ 218 रनों के स्कोर पर सिमट गई थी, इसके बाद टीम इंडिया की तरफ से शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन देखने को मिला जिसमें कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल शतकीय पारी खेलने में कामयाब रहे। भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 477 रनों का स्कोर बनाने में कामयाब रही और उसे पहली पारी के आधार पर 259 रनों की बड़ी बढ़त हासिल हुई। वहीं इंग्लैंड अपनी दूसरी पारी में सिर्फ 195 रन बनाकर सिमट गई और उसे इस शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा।

112 साल बाद भारत टेस्ट में ऐसा करने वाली बनी पहली टीम

इस टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद भारतीय टीम ने सीरीज में शानदार तरीके से वापसी करने के साथ उसे 4-1 से अपने नाम किया। वहीं टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 112 साल बाद ऐसा पहली बार हुआ है जब 5 मैचों की सीरीज में कोई टीम पहला मुकाबला हारने के बाद सीरीज को 4-1 से अपने नाम करने में कामयाब रही। इससे पहले ये कारनामा साल 1911-12 में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में किया था।

100वें टेस्ट में अश्विन ने दिखाया गेंद से कमाल

इंग्लैंड की टीम जब धर्मशाला टेस्ट मैच के तीसरे दिन अपनी दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी तो टीम इंडिया के स्टार ऑफ स्पिनर और अपने टेस्ट करियर का 100वां मुकाबला खेल रहे रविचंद्रन अश्विन की गेंदों के आगे वह घुटने टेकते हुए दिखाई दिए। अश्विन ने 21 के स्कोर तक इंग्लैंड के दोनों ओपनिंग बल्लेबाज जैक क्राउली और बेन डकेट को पवेलियन का रास्ता दिखा दिया था। इसके बाद उन्होंने ओली पोप, बेन स्टोक्स और बेन फॉक्स को अपना शिकार बनाने के साथ 5 विकेट हॉल भी पूरा किया। इंग्लैंड की टीम से सिर्फ जो रूट ही अधिक समय पिच पर बिता सके जिसमें उनके बल्ले से दूसरी पारी में 84 रन देखने को मिले। इंग्लैंड की टीम अपनी दूसरी पारी में सिर्फ 195 रनों के स्कोर पर सिमट गई। वहीं भारत की तरफ से इस पारी में अश्विन ने जहां 5 विकेट अपने नाम किए तो जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव ने 2-2 विकेट जबकि रवींद्र जडेजा भी 1 विकेट लेने में कामयाब रहे।

सरफराज खान पर भड़के सुनील गावस्कर

धर्मशाला, एजेंसी। सुनील गावस्कर इंडिया वर्सेस इंग्लैंड 5वें टेस्ट के दूसरे दिन सरफराज खान के शॉट सिलेक्शन से खुश नहीं दिखे। सरफराज खान इंग्लैंड के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे, मगर टी टाइम के बाद उन्होंने एक गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलकर अपना विकेट थ्रो कर दिया। चायकाल के ठीक बाद पहली गेंद पर सरफराज खान कट शॉट लगाने गए जिसके चलते वह स्लिप में आउट हो गए।

सरफराज अच्छी तरह से सेट थे, वह 56 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे और उनकी डेब्यूटेंट देवदत्त पडिक्कल के साथ 97 रन की साझेदारी भी हो गई थी। हालांकि उन्होंने अपनी इस पारी को शतक में तबदील करने का मौका गंवाया। सरफराज खान उस समय बल्लेबाजी करने आए जब जेम्स एंडरसन ने शुभमन गिल को अपना 699वां टेस्ट शिकार बनाया था।

रोहित और गिल के आउट होने के बाद भारतीय पारी को संभालने का पूरा जिम्मा सरफराज और पडिक्कल पर ही था। 279 के स्कोर पर तीसरा विकेट गिरने के बाद सरफराज और पडिक्कल ने अपना समय लिया और सेट होने के बाद सरफराज ने आक्रामक स्ट्रोक खेलना शुरू किया।

उन्होंने इंग्लैंड के सबसे तेज गेंदबाज मार्क वुड के खिलाफ हमला बोला और उनके दो ओवरों में तीन चौके और एक छक्का लगाया। लेकिन जब ये साझेदारी खतरनाक दिखने लगी थी तब सरफराज ने अपना विकेट थ्रो कर दिया। सरफराज खान के विकेट से गुस्साए सुनील गावस्कर ने कमेंट्री के दौरान कहा, बॉल ऊपर पिच हुई थी, यह उतनी शॉट नहीं थि कि आप इस तरह का शॉट खेल सके। उन्होंने इसकी कीमत चुकाई। मेरा मतलब है कि आप चायकाल के बाद पहली गेंद खेल रहे हैं तो खुद को थोड़ा समय दें।

टेस्ट क्रिकेट में 700 विकेट लेने वाले बने पहले तेज गेंदबाज

जेम्स एंडरसन ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

धर्मशाला, एजेंसी। इंग्लैंड के सबसे अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने भारत के खिलाफ धर्मशाला टेस्ट में कुलदीप यावद का विकेट लेकर इतिहास रच दिया है।

कुलदीप यावद के रूप में उन्होंने अपने टेस्ट करियर का 700वां शिकार किया। इसी के साथ एंडरसन टेस्ट क्रिकेट में 700 विकेट का आंकड़ा छूने वाले दुनिया के पहले तेज गेंदबाज और कुल तीसरे खिलाड़ी बने हैं।

जी हां, एंडरसन से पहले श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के लीजेंड मुथैया मुरलीधरन व शेन वॉर्न टेस्ट क्रिकेट में ये कमाल कर चुके हैं। एंडरसन को यह उपलब्धि हासिल करने में 187 मैच की 348 पारियां लगी।

एंडरसन के नाम टेस्ट क्रिकेट में बतौर तेज गेंदबाज सबसे ज्यादा गेंदें डालने का भी वर्ल्ड रिकॉर्ड है। वह अभी तक 21 साल लंबे टेस्ट करियर में लगभग 40 हजार गेंदें डाल चुके हैं।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले गेंदबाजों की करें तो श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन 800 विकेट के साथ इस सूचे के टॉप पर हैं। वहीं शेन वॉर्न 708 विकेट के साथ इस सूची में दूसरे पायदान पर हैं। अब जेम्स एंडरसन 700 विकेट के क्लब में शामिल होने वाले तीसरे गेंदबाज बने हैं। अब देखने वाली बात यह होगी कि एंडरसन इस सूची में दूसरे पायदान पर पहुंच पाते हैं या नहीं।

एंडरसन भारत दौरे पर 690 टेस्ट विकेट के साथ आए थे। हैदराबाद टेस्ट में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला, इंग्लैंड उस मैच में एकमात्र तेज गेंदबाज मार्क वुड के साथ उतरी थी। उस मैच में इंग्लिश टीम ने जीत दर्ज कर सीरीज का शानदार आगाज किया था। विशाखापट्टनम टेस्ट में एंडरसन को प्लेइंग इलेवन में मौका मिला, इस मैच में उन्हें कुल 5 विकेट मिली। विशाखापट्टनम के बाद इंडिया वर्सेस इंग्लैंड सीरीज का कारवा राजकोट और रांची में पहुंचा जहां 41 साल के इस तेज गेंदबाज का परफॉर्मेंस थोड़ा फीका रहा। राजकोट में एंडरसन को 1 ही शिकार मिला, वहीं रांची में उन्होंने 2 विकेट चटकाए।

अब धर्मशाला टेस्ट में उन्होंने शुभमन गिल और कुलदीप यावद का विकेट लेकर टेस्ट क्रिकेट में 700 विकेट पूरे किए। एंडरसन अपने टेस्ट करियर में 26.56 की औसत और 57.03 के स्ट्राइक रेट के साथ 32 5-विकेट हॉल ले चुके हैं।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले गेंदबाज

मुरलीधरन- 800
शेन वॉर्न- 708
जेम्स एंडरसन- 700
अनिल कुंबले- 619
स्टुअर्ट ब्रॉड- 604

दीप्ति शर्मा ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

टी-20 क्रिकेट में ऐसा कारनामा करने वाली बनीं पहली महिला क्रिकेटर

नईदिल्ली, एजेंसी। यूपी वॉरियर्स की दीप्ति शर्मा ने वुमेंस प्रीमियर लीग 2024 में उस समय इतिहास रचा जब उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में अर्धशतक जड़ने के साथ-साथ हैट्रिक भी ली। वह वुमेंस टी20 क्रिकेट के इतिहास में ऐसा कारनामा करने वाली पहली क्रिकेट बनीं है। जी हां, उनसे पहले कोई भी महिला क्रिकेटर एक टी20 मुकाबले में अर्धशतक जड़ने के साथ-साथ हैट्रिक नहीं ले पाई थी। वहीं दीप्ति डब्ल्यूपीएल के इतिहास में भी हैट्रिक लेने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर बनीं हैं। यह डब्ल्यूपीएल की मात्र दूसरी हैट्रिक है। इस लीग की पहली हैट्रिक लेने का रिकॉर्ड इस्सी वोंग के नाम है।

बात दीप्ति शर्मा की हैट्रिक की करें तो 14वें ओवर की आखिरी गेंद पर उन्होंने सबसे पहले दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान मेग लैनिंग (60) को पवेलियन की राह दिखाई। इसके बाद 19वें ओवर की पहली दो गेंदों पर उन्होंने सदरलैंड और अनुराधा रेड्डी का शिकार किया। इस तरह दीप्ति डब्ल्यूपीएल में हैट्रिक लेने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। दीप्ति यहीं नहीं रुकी, उन्होंने 19वें ओवर की चौथी गेंद पर शिखा पांडे के रूप में चौथा शिकार किया। दीप्ति ने इस मैच में 4 ओवर के कोटे में 19 रन खर्च कर 4 विकेट चटकाए।

इससे पहले दीप्ति ने बल्ले से कमाल दिखाया था। उनकी 59 रनों की पारी के दम पर यूपी की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 138 रन बोर्ड पर लगाने में कामयाब रही थी। इस स्कोर का पीछा करते हुए दिल्ली की टीम 19.5 ओवर में 137 ही रन बना पाई। यूपी इसी के साथ डब्ल्यूपीएल के इतिहास का सबसे छोटा स्कोर डिफेंड करने में कामयाब रही। 1 रन की इस जीत के साथ यूपी ने प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा है। टीम 6 पॉइंट्स के साथ टेबल में चौथे पायदान पर है।

यूरोप लीग

डार्विन के दो गोल से लिवरपूल ने स्पार्टा को 5-1 से रौंदा, अंतिम-16 में रोमा ने ब्राइटर को हराया

लंदन, एजेंसी। इंग्लिश प्रीमियर लीग में शीर्ष स्थान पर चल रहे लिवरपूल ने यूरोपा लीग में स्पार्टा पर 5-1 से धमाकेदार जीत दर्ज की। अंतिम-16 के प्रथम चरण के मुकाबले में इस जीत से लिवरपूल ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश की उम्मीदों को मजबूत कर लिया है। लिवरपूल के लिए उरुग्वे के स्ट्राइकर डार्विन नुनेज ने दो गोल किए।

नुनेज ने 25 मीटर की दूरी से जोरदार शॉट लगाते हुए गोल भेदा, जिसका गोलकीपर पीटर विंडहाल के पास कोई जवाब नहीं था। उनसे पहले एलेक्सिस मैकएलिस्टर पेनाल्टी पर गोलकर लिवरपूल को शुरुआती बढ़त दिलाई थी। नुनेज का यह गोल मैनेजर जुर्गेन क्लॉप के संरक्षण में क्लब का यह 1000वां गोल था। क्लॉप इस सत्र के बाद लिवरपूल का साथ छोड़ रहे हैं। इससे पहले नुनेज ने ईपीएल में स्टापेज समय में गोल कर नाटिंघम फॉरेस्ट पर 1-0 से जीत दिलाई थी। नुनेज ने 25 और 45वें मिनट में, लुइस डियाज ने 53वें और डोमनिक ने स्टापेज समय में गोल किया।

फ्रेंच ओपन बैडमिंटन

सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंची

● पीवी सिंधू कड़े संघर्ष में चेन यू से हारीं

पेरिस, एजेंसी। सात्विक-चिराग ने थाईलैंड के सुपाक जोमकोह और कित्तनुपांग केदरेन को 21-19, 21-13 से पराजित किया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला तीसरी वरीय कोरियाई जोड़ी कांग मिन हयूक सियो सियूंग जेई से होगा।

शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। हालांकि चार माह बाद वापसी कर रहीं पीवी सिंधू को एक घंटे 32 मिनट के संघर्ष के बाद टोक्यो ओलंपिक विजेता चीन की चेन यू फेई के हाथों हारना पड़ा।

पिछड़ने के बाद सात्विक-चिराग की वापसी

सात्विक-चिराग ने थाईलैंड के सुपाक जोमकोह और कित्तनुपांग केदरेन को 21-19, 21-13 से पराजित किया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला तीसरी वरीय कोरियाई जोड़ी कांग मिन हयूक सियो सियूंग जेई से होगा। सात्विक-चिराग

की शुरुआत बेहद खराब रही और दोनों 1-6 से पिछड़ गए। पहले गेम के मध्यांतर के समय उन्होंने स्कोर 8-11 कर दिया।

इसके बाद जल्द ही दोनों ने 12-12 की बराबरी हासिल करते हुए अपना दबदबा बना लिया। अंत में 21-19 से उन्होंने गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में दोनों को ज्यादा संघर्ष नहीं करना पड़ा।

तीन गेमों में सिंधू को मिली हार

दूसरी वरीय चेन यू फेई के हाथों सिंधू को 24-22, 17-21, 18-21 से हार मिली। दिग्गज प्रकाश पादुकोण बतौर कोच सिंधू के साथ इस टूर्नामेंट में कोर्ट पर बैठे हैं।

मिचेल ली और बेईवान झांग के खिलाफ भी प्रकाश की सलाह सिंधू के काम आई थी। यहां भी मुकाबला पहले दो मैचों की तरह संघर्षपूर्ण था, लेकिन चेन यू फेई सिंधू पर भारी पड़ीं। अंतिम बार सिंधू ने चेन को 2019 की विश्व चैंपियनशिप के दौरान हराया था।

राखी सावंत के एक्स हसबैंड आदिल ने किया सोमी खान संग निकाह

ड्रामा क्वीन राखी सावंत अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती है। राखी ने बीते दिनों बताया था कि उन्होंने आदिल खान दुर्रानी संग शादी रचाई है। लेकिन कुछ समय बाद ही दोनों के बीच जमकर झगड़े होने लगे। राखी और आदिल ने एक दूसरे पर कई आरोप लगाए। इतना ही नहीं मारपीट का आरोप लगने के बाद आदिल को जेल भी जाना पड़ा था। वहीं अब राखी के पूर्व पति आदिल खान दूसरी शादी रचा चुके हैं। आदिल ने बिग बॉस 12 फेम सोमी खान संग निकाह किया है। आदिल और सोमी ने अपनी शादी की कई तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर की है।

तस्वीरों में आदिल व्हाइट कलर की शेरवानी में काफी हैंडसम दिख रहे हैं। इसके साथ उन्होंने मैरून कलर की पगड़ी पहनी हुई है। वहीं सोमी खान रेड कलर के गोल्डन एम्ब्रॉयडरी वाले लहंगे में बेहद सुंदर लग रही हैं। गोल्डन ज्वेलरी, लाइट मेकअप के साथ सोमी ने अपने लुक को कम्प्लीट किया है। इन वेडिंग तस्वीरों के साथ आदिल ने कैप्शन में लिखा, बिस्मिल्लाहिर रहमानिर रहीम, हमें यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि अल्लाह की दुआसे, हमने एक सादे और सुंदर समारोह में अपना निकाह संपन्न कर लिया है। अलहम्दुलिल्लाह, हम इस आशीर्वाद के लिए आभारी हैं और हम अपने परिवारों और दोस्तों के प्यार और समर्थन के लिए उनकी सराहना करते हैं। उन्होंने लिखा, हम पति-पत्नी के रूप में एक साथ अपनी नई यात्रा शुरू करने के लिए उत्सुक हैं। कृपया एक धन्य वैवाहिक जीवन के लिए अपनी प्रार्थनाओं में हमें याद रखें। आदिल खान दुर्रानी, सोमी आदिल खान।

शादी के डेढ़ साल बाद मां बनेगी निधि झा

भोजपुरी एक्टर यश कुमार की दूसरी वाइफ निधि झा प्रेग्नेंट हैं। बेबी बंप में एक्ट्रेस की फोटो भी सामने आई है, जिसे यश ने इंस्टाग्राम पर शेयर की है।

भोजपुरी के जाने-माने सितारे यश कुमार की शादी को दो साल का वक्त होने वाला है। ऐसे में अब शादी के डेढ़ साल बाद ही उन्होंने दूसरी वाइफ निधि झा की प्रेग्नेंसी का ऐलान किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पत्नी का बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए तस्वीर शेयर की है। इस साझा करने के साथ ही एक्टर ने फैंस को खुशखबरी दी है। इस खबर के सामने आने के बाद फैंस उन्हें ढेरों बधाइयां दे रहे हैं।

दरअसल, निधि झा की प्रेग्नेंसी की खबर निधि ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर करके दी है। सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीर में देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस थाई हाई स्लिट गाउन में नजर आ रही हैं और यश के साथ पोज दे रही हैं। वो भोजपुरी स्टार की बाहों में खोई नजर आ रही हैं। इसमें दोनों का लुक और बॉन्डिंग देखते ही बन रही है। कपल की फोटो

बेबी शावर की लग रही है। इसे शेयर करने के साथ ही निधि ने लिखा, 'हम अपनी लव स्टोरी में एक नया अध्याय जोड़ने जा रहे हैं। बेबी जल्द आने वाला है।' भोजपुरी एक्ट्रेस की ओर से ये खुशखबर महाशिवरात्रि के मौके दी गई है।

इस खबर के सामने आने के बाद भोजपुरी सेलेब्स से लेकर फैंस तक उन्हें ढेरों शुभकामनाएं दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लग गया है। आपको बता दें कि निधि झा और यश कुमार की शादी को डेढ़ साल का वक्त हो चुका है। कपल ने 2 मई, 2022 में मुंबई में शादी की थी। जहां निधि झा का ये पहला बच्चा होगा वहीं, यश दूसरी बार पिता बनेंगे। निधि संग एक्टर की दूसरी शादी है।

अंजना सिंह से की थी यश ने पहली शादी

गौरतलब है कि भोजपुरी स्टार यश कुमार ने निधि झा से पहले एक्ट्रेस अंजना सिंह के साथ शादी की थी। इस शादी से उनकी एक बेटी अदिति सिंह हैं। उन्हें अक्सर अपनी बेटी का साथ देखा जाता रहा है। भले ही अंजना और यश एक-दूसरे से अलग हो चुके हैं। मगर एक्टर आज भी अपनी पहली पत्नी की बेटी पर प्यार लुटाते हैं।

बहरहाल, अगर इसके अलावा यश कुमार के वर्कफ्रंट की बात की जाए तो वो इन दिनों एक्ट्रेस रक्षा गुप्ता के साथ फिल्म 'एक रात की शादी' की शूटिंग में बिजी हैं। इसके सेट से एक्टर की वेडिंग फोटोज भी सामने आई थी। इसके साथ ही वो कई म्यूजिक वीडियोज में भी काम कर रहे हैं।

महाशिवरात्रि पर आयुष्मान ने पूरी की पिता की इच्छा!

आयुष्मान खुराना अभी भी अपने पिता के निधन के गम से उबर रहे हैं। शिवरात्रि के दिन, आयुष्मान ने शिव कैलाश भजन गाया, जिसे उनके पिता उनसे सुनने के लिए इंतज़ार किया करते थे। और एक भावनात्मक नोट लिखा, ममहाशिवरात्रि हमेशा हमारे घर में एक पारिवारिक मामला रहा है। पापा मम्मी अपारशक्ति और मैं हर साल सेक्टर-6 पंचकुला मंदिर जाते थे। पिछले साल जब मेरे पिता का निदान हुआ, तो भगवान शिव के एक उत्साही शिष्य होने के नाते, उनमें अकेले शिवरात्रि के दौरान मंदिर जाने का साहस था। उनके बिना यह हमारी पहली शिवरात्रि है। वह आगे कहते हैं, अपने अंतिम दिनों के दौरान, उन्होंने मुझसे शिव जी के भजन की प्रस्तुति उन्हें भेजने का अनुरोध किया था। जब भी पापा ये सुनते थे तो कहते थे कि बेटा आपकी आवाज में ये बहुत अच्छा लगेगा।

संक्षिप्त समाचार

सीमा हैदर को झटके पर झटका, पाकिस्तान में बैठा पहला पति बढ़ा रहा मुश्किलें

नईदिल्ली, एजेंसी। तीन करोड़ के नोटिस के बाद सीमा हैदर को एक और बड़ा झटका लगा है। दरअसल, सीमा के पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर के वकील मोमिन मलिक ने नोएडा के जिलाधिकारी और एसपी से एक शिकायत की है। शिकायत में वकील ने तीन चीजों की डिमांड की है। इससे पहले वकील ने सीमा, उसके आशिक सचिन और उसका केस लड़ रहे एपी सिंह को कुल 11 करोड़ का नोटिस भेजा था। दरअसल, गुलाम हैदर अपने चारों बच्चों की कस्टडी पाने के लिए कानूनी मदद ले रहा है। उसका केस वकील मोमिन मलिक लड़ रहे हैं। न्यूज18 की रिपोर्ट के मुताबिक, मोमिन ने अपनी शिकायत में तीन मांगे रखी हैं। पहला, उन्होंने आरोप लगाया है कि सीमा हैदर गलत ढंग से अपना प्रचार कर रही है। वह बगैर किसी परमिशन के प्रोग्राम कर रही है। ऐसे में उसके प्रोग्राम के प्रसारण पर रोक लगाई जाए। यानी वकील की पहली मांग यह है कि सीमा से जुड़ी चीजें मीडिया में प्रसारित न की जाएं। वकील की दूसरी मांग यह है कि सीमा और उसके वकील एपी सिंह को मुलाकात करने की परमिशन केवल कोर्ट परिसर में दी जाए। वहीं तीसरी मांग यह है कि सीमा किसी भी बाहरी व्यक्ति से मुलाकात नहीं कर सकती है। वकील मोमिन ने बताया कि सीमा का मामले देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। इससे पहले वह यह भी दावा कर चुके हैं कि सीमा को कम से कम 5 साल की जेल की सजा होगी। दरअसल, कई देशों का सरहद लांघते हुए सीमा पाकिस्तान से ग्रेटर नोएडा चली आई है। उसके साथ चार बच्चे भी आए हैं। गुलाम हैदर बच्चों की कस्टडी चाहता है। कुछ दिनों पहले गुलाम के वकील ने सीमा को तीन, सचिन को तीन और एपी सिंह को पांच करोड़ का नोटिस भेजा था। इसके लिए गुलाम ने केवल एक महीने की मोहलत दी है। करोड़ों के नोटिस के बाद अब वकील ने डीएम और एसपी से शिकायत कर दी है।

एल्विश यादव ने दी खुली धमकी, मॉल बुलाकर यूट्यूबर को लात-घूंसों से पीटा

नईदिल्ली, एजेंसी। बिग बॉस ओटीटी विजेता यूट्यूबर एल्विश यादव का शुक्रवार को मारपीट करने का वीडियो वायरल हो रहा है। मारपीट का वीडियो पूरे दिन सोशल मीडिया पर ट्रेंड करता रहा। एल्विश यादव और उसके साथियो ने सागर ठाकुर उर्फ मैक्सटर्न नाम के यूट्यूबर के साथ सेक्टर-53 में स्थित साउथ प्वाइंट मॉल में मारपीट की है। शिकायत पर सेक्टर-53 थाने में शुक्रवार देर रात को पुलिस ने आईपीसी की 149, 147, 323 और 506 धारा मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में पुलिस ने एल्विश यादव को आरोपी बनाया है। मारपीट का वीडियो वायरल होने पर एल्विश यादव ने एक्स पर दोपहर एक बजे वीडियो बनाकर पोस्ट किया और मारपीट के बारे में पूरी जानकारी दी। प्लेटफार्म पर मैक्सटर्न के नाम से भी जाना जाता है। उनके हजारों और लाखों में फॉलोअर हैं। उन्होंने बताया कि वह एल्विश यादव को साल 2021 से जानते हैं। मैक्सटर्न ने शिकायत में कहा कि एल्विश यादव कुछ समय से हेट स्पीच देने के कारण वह आहात हैं, ऐसे में एल्विश से मिलकर बातचीत करना चाहता था। आरोप के अनुसार, जब वह गुरुवार को मिलने के लिए गुरुग्राम में पहुंचे। गुरुवार देर रात को 12 बजे के लगभग सेक्टर-53 स्थित साउथ प्वाइंट मॉल के स्टोर में एल्विश यादव अपने आठ से दस साथियों के साथ आते ही उसके साथ मारपीट करते हुए गंदी-गंदी गालियां देनी शुरू कर दी।

एनसीआर की 23 अवैध कॉलोनियों में चलेगी विकास की बयार

1400 करोड़ रुपये से तेज होंगे कार्य

नईदिल्ली, एजेंसी।
गुरुग्राम में रहने वालों के लिए राहत की खबर है। हरियाणा के शहरी निकाय विभाग ने गत 6 मार्च को गुरुग्राम की 23 अवैध कॉलोनियों को वैध श्रेणी में शामिल किया है। अब इन कॉलोनियों में बुनियादी सुविधाएं शीघ्र मुहैया करवाने की योजना नगर निगम, नगर परिषद और नगरपालिका की तरफ से तैयार की जाएगी।

पिछले दिनों हरियाणा सरकार ने वैध हुई कॉलोनियों में 1400 करोड़ रुपये से विकास कार्य करवाने के लिए बजट आरक्षित रखने की बात कही थी। गुरुग्राम की न्यू पालम विहार फेस एक और दो को शहरी निकाय विभाग ने वैध श्रेणी में डालने की अधिसूचना जारी की है। ये कॉलोनी 242.7 एकड़ में अवैध रूप से विकसित हुई थी।

मौजूदा समय में इस कॉलोनी में हजारों परिवार रह रहे हैं। इस तरह फर्रुखनगर की 13.5 एकड़ में विकसित जाट कॉलोनी, 8.9 एकड़ में विकसित मारुति कॉलोनी, 11.81 एकड़ में विकसित भरवाली कॉलोनी, 2.54 एकड़ में विकसित शेरावाली कॉलोनी, 15 एकड़ में विकसित बालाजी नगर, 24.57 एकड़ में विकसित अनाम कॉलोनी, 11 एकड़ में विकसित निहार कॉलोनी, 23.9 एकड़ में विकसित बाईपास कॉलोनी शामिल है। भौंडसी में 10.17 वाटिका कुंज एक्सटेंशन, 37.23 एकड़ में शांति कुंज, 40.56 एकड़ में कृष्णा कुंज, 9.87 एकड़ में शंकर विहार और टेकचंद नगर एक्सटेंशन, 9.09 एकड़ में श्रीराम एंक्लेव, 32.68 एकड़ में राजेंद्रा पार्क, पटौदी में 19.36 एकड़ में अनाम कॉलोनी, 2.16 एकड़ में आनंदपुर आश्रम कॉलोनी, 3.18 में जाटौली में एक कॉलोनी, 10.48 एकड़ में गांव धुनैला कॉलोनी, 3.82 एकड़ में सोहना में हरी नगर कॉलोनी, 16.17 एकड़ में सोहना कॉलोनी आदि को शहरी निकाय विभाग ने वैध श्रेणी रखने की अधिसूचना जारी की है। मौजूदा समय में इन कॉलोनियों में बुनियादी सुविधाएं जैसे पीने का पानी, सीवर और बरसाती पानी की निकासी, सड़क, साफ-सफाई का बंदोबस्त नगर निगम, नगर परिषद या नगरपालिका की तरफ से नहीं किया जाता था। लोग चंदा इकट्ठा करके अपनी समस्याओं का समाधान करते थे। अब शहरी निकाय विभाग की तरफ से इन कॉलोनियों में पानी-सीवर की व्यवस्था में सुधार किया जाएगा।

कब तक पूरा होगा भंगेल एलिवेटेड सड़क का काम? धीमी गति पर अथॉरिटी ने लगाया 10 लाख का जुर्माना

नईदिल्ली, एजेंसी।
डीएससी रास्ते पर बन रही भंगेल एलिवेटेड सड़क का निर्माण धीमी गति से करने पर नोएडा विकास प्राधिकरण ने उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इससे पहले भी सेतु निगम पर दो बार जुर्माना लग चुका है। इस साल दिसंबर अंत तक इस एलिवेटेड सड़क का काम पूरा होने की उम्मीद है।

भंगेल-सलारपुर रास्ते पर जाम खत्म करने के लिए नोएडा प्राधिकरण एलिवेटेड सड़क बनवा रहा है। इसके निर्माण का जिम्मा उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम के पास है। यह एलिवेटेड सड़क सेक्टर-41 आगाहपुर से फेज टू स्थित नाले के पास तक बनेगी। इसका निर्माण चलते हुए करीब चार साल का समय हो चुका है, लेकिन अभी तक करीब 70 प्रतिशत काम ही पूरा हो सका है।

प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने परियोजना की समीक्षा की तो अनुबंध के तहत काम धीमी गति से चलता मिला। कुछ जगह लापरवाही भी मिली। सेतु निगम ने पिछले समय में बताई गईं कमियों को भी दूर नहीं किया। इस साल जनवरी-फरवरी में तय लक्ष्य के हिसाब से निर्माण कार्य नहीं किया। ऐसे में सीईओ के निर्देश पर प्राधिकरण ने सेतु निगम पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

इस एलिवेटेड रोड का निर्माण आठ जून 2020 को शुरू हुआ था। अनुबंध के तहत एलिवेटेड रोड का काम सात दिसंबर 2022 तक पूरा कर लिया जाना चाहिए था, लेकिन इसके बाद डेडलाइन बढ़ती गई। पिछले साल प्राधिकरण अधिकारियों ने दावा किया कि मार्च 2024 तक अगाहपुर से फेज टू की तरफ जाने वाले हिस्से को वाहनों के लिए खोल दिया जाएगा और जुलाई-अगस्त 2024 तक इसको पूरी तरह बनाकर तैयार कर दिया जाएगा।

अब प्राधिकरण ने डेडलाइन बढ़ाकर दिसंबर 2024 कर दी है। ऐसे में यह एलिवेटेड सड़क करीब दो साल देरी से बनकर तैयार होगी। नोएडा विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम की तरफ से कमियां बरती जा रही हैं। इसके अलावा परियोजना के निर्माण में जो चीजें बाधा बन रही हैं, उनके बारे में शासन को अवगत कराया जाएगा।

रेप के मामलों को अदालत के बाहर नहीं सुलझा सकते, दिल्ली हाईकोर्ट ने दुष्कर्म में समझौते को नकारा

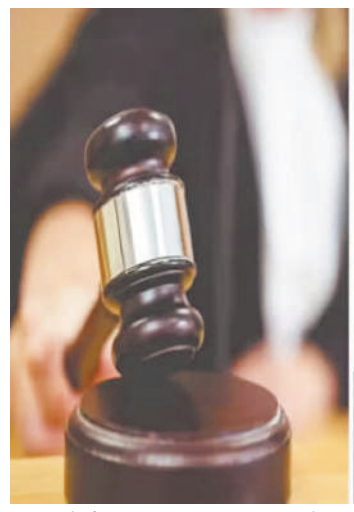

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के एक मामले में आरोपी और पीड़िता के बीच समझौते के आधार पर एफआईआर रद्द करने की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि पीड़िता और आरोपी का समझौता न्यायिक प्रक्रिया के मुताबिक नहीं है। साथ ही, कहा कि महिला के साथ हुए अपराध को पैसे के लेन-देन के आधार पर खत्म कैसे किया जा सकता है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने आदेश में कहा कि दुष्कर्म, हत्या, डकैती और अन्य जघन्य अपराध समाज के प्रति होते हैं। इन्हें किसी व्यक्ति विशेष के प्रति नहीं माना जा सकता। लिहाजा, इन अपराधों के तहत मुकदमों का निपटारा न्यायिक प्रक्रिया में सुनवाई के बाद हो सकता है। सभी जिला न्यायाधीशों से सर्तकता बरतें = इस मामले में सामने आया कि संबंधित मामले की सुनवाई कर रहे न्यायाधीश ने पीड़िता को आरोपी से समझौता करने की सलाह दी, जिसके बाद पीड़िता ने आरोपी से साढ़े तीन लाख रुपये लेने के एवज में समझौता करने पर सहमति दी। कोर्ट ने संबंधित न्यायधीश के इस कथित कृत्य को गंभीरता से लिया। बेंच ने रजिस्ट्रार जनरल को कहा कि वह इस आदेश की कॉपी सातों जिला अदालतों के जिला एवं सत्र न्यायाधीशों को पहुचाएं ताकि वह याद रखें कि यह आचरण अनैतिक है। पुलिस को दी शिकायत और न्यायाधीश के समक्ष प्रारंभिक बयानों में पीड़िता ने गंभीर आरोप लगाए। समझौता पत्र में युवती ने कहा कि उसके और आरोपी के बीच मर्जी संबंध से बने थे। कुछ गलतफहमी की वजह से उसने यह मुकदमा दर्ज करा दिया था। हालांकि, हाईकोर्ट ने पाया कि इसके एवज में पीड़िता को साढ़े तीन लाख दिए जाने का प्रस्ताव था। वहीं, एक अन्य मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने एक रिश्तेदार द्वारा दो नाबालिग लड़कियों से यौन उत्पीड़न के मामले को मध्यस्थता से निपटाने के कदम की निंदा की है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे गंभीर प्रकृति के अपराधों को इस तरह नहीं सुलझाया जा सकता। हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि ऐसे अपराध करने वालों को उचित कानूनी कार्यवाही के माध्यम से जवाबदेह ठहराया जाए।

विवाद के बाद भारतीय पर्यटकों का मालदीव से हुआ मोहभंग! टूरिज्म का हाल बेहाल; 33 फीसदी की गिरावट

माले , एजेंसी। भारत के साथ विवाद ने मालदीव का हाल बेहाल कर दिया है। दरअसल, पर्यटकों की कमी के कारण मालदीव का पर्यटन उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मालदीव पर्यटन मंत्रालय द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, मालदीव जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में पिछले साल की तुलना में 33 प्रतिशत की गिरावट आई है। पर्यटन मंत्रालय के 2023 के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल 4 मार्च तक 41,054 भारतीय पर्यटकों ने मालदीव का दौरा किया था। वहीं, इस वर्ष 2 मार्च तक भारतीय पर्यटकों की संख्या 27,224 दर्ज की गई। मालदीव स्थित अधाधू ने बताया कि यह पिछले साल की तुलना में 13,830 कम था। पिछले वर्ष की समान अवधि में, भारत 10 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ मालदीव में पर्यटकों के लिए दूसरा सबसे बड़ा स्रोत बाजार था। हालांकि, भारत अब छह प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ सूची में छठे स्थान पर है। दरअसल, मालदीव के तीन उपमंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लक्षद्वीप यात्रा की तस्वीरों पर उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की, जिसके बाद दोनों देशों के बीच यह विवाद बढ़ गया। इसके बाद पीएम मोदी ने भारतीय द्वीप समूह को समुद्र तट पर्यटन और घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक गंतव्य के रूप में विकसित करने का आह्वान किया था। यह मामला एक बड़े राजनयिक विवाद में बदल गया।

दो गाड़ियां और छह हमलावर... सामने आया हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का वीडियो

ओटावा, एजेंसी। भारत द्वारा नामित आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का एक वीडियो फुटेज सामने आया है, जिसमें निज्जर को हथियारबंद लोगों द्वारा गोली मारते हुए दिखाया गया है। कनाडा स्थिति सीबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, इसे कॉन्ट्रैक्ट किलिंग बताया गया है। निज्जर को 18 जून, 2023 की शाम को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे से बाहर निकलते ही गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसे 2020 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा आतंकवादी नामित किया गया था। सीबीसी न्यूज के अनुसार, वीडियो द फिफ्थ एस्टेट द्वारा प्राप्त किया गया है और एक से अधिक स्रोतों द्वारा स्वतंत्र रूप से वेरीफाई भी किया गया है। इस हमले में छह लोग और दो वाहन शामिल थे। गुरु नानक सिख गुरुद्वारे के अध्यक्ष की स्पष्ट लक्षित हत्या के कारण कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया कि हत्या में भारत सरकार का हाथ था। इस दावे का भारत की ओर से खंडन किया गया और इसके बाद दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों में गिरावट आ गई। वीडियो में निज्जर को अपने ग्रे डॉज राम पिकअप ट्रक में गुरुद्वारे की पार्किंग से निकलते हुए दिखाया गया है। जैसे ही वह बाहर निकले, एक सफेद सेडान उसके सामने आई, जिससे उसका ट्रक रुक जाता है। इसके बाद दो लोग दौड़ते हैं और निज्जर को गोली मारकर भाग जाते हैं। दो गवाह, जो घटना के समय पास के एक मैदान में फुटबॉल खेल रहे थे, उन्होंने खुलासा किया कि गोली की आवाज सुनकर वे घटनास्थल की ओर भागे और आरोपियों का पीछा करने की कोशिश भी की। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, एक गवाह भूपिंदरजीत सिंह सिद्धू ने द फिफ्थ एस्टेट को बताया, हमने उन दो लोगों को भागते हुए देखा। हम उस ओर भागने लगे, जिधर से आवाज आई थी। सिद्धू ने अपने दोस्त मलकीत सिंह से कहा कि वह पैदल चल रहे दो लोगों का पीछा करे, जबकि वह निज्जर की मदद करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा, मैंने उसकी छाती को दबाने की कोशिश की और उसे हिलाने की कोशिश की, ताकि देख सके कि वह सांस ले रहा है या नहीं, लेकिन वह पूरी तरह से बेहोश था और सांस नहीं ले पा रहा था। मलकीत सिंह ने कहा कि उन्होंने उन दोनों लोगों का तब तक पीछा किया, जब तक वे टोयोटा कैमरी में नहीं चढ़ गए। सिंह ने कहा, गली के पास से एक कार आई और वे दोनों उसमें सवार हो गए। उस कार में तीन अन्य लोग बैठे थे।

अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं

वहीं, दूसरी ओर लगभग नौ महीने बाद भी रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने अभी तक निज्जर की हत्या के संबंध में संदिग्धों का नाम नहीं लिया है या गिरफ्तारी नहीं की है।

भारत-कनाडा के संबंध बिगड़े

निज्जर की हत्या ने भारत और कनाडा के बीच एक बड़े राजनयिक विवाद को भी जन्म दिया। पिछले साल सितंबर में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा की धरती पर निज्जर की हत्या में भारत के शामिल होने के आरोप लगाए थे।

भारत में 15 साल से अधिक समय तक रहेगी स्थिर सरकार, जापान में जयशंकर बोले- संसद में बहुमत होना जरूरी

टोक्यो, एजेंसी। जापान दौरे पर पहुंचे विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत में सरकार को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने विश्वास जताया है कि भारत में एक या दो दशक से भी अधिक समय तक स्थिर सरकार रहेगी। भारत-जापान विशेष रणनीतिक साझेदारी पर निक्केई फोरम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि एक मजबूत राजनीतिक जनादेश द्वारा समर्थित सुधारवादी और दूरदर्शी नेतृत्व के पास संसद में बहुमत होने के कारण साहसिक निर्णय लिए जा सकते हैं। जयशंकर ने निक्केई फोरम में आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर भी बयान दिया। सौ प्रतिशत हमारे यहां 15 साल तक स्थिर सरकार होगी। यह 20 साल या उससे अधिक समय तक भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि हर देश, हर समाज अलग-अलग होता है। इसलिए जो बात भारत पर लागू हो सकती है, जरूरी नहीं कि वह दूसरे देशों के लिए भी हमेशा एक जैसी हो, लेकिन हमारा अपना अनुभव यह है कि राजनीति में स्थिरता की कमी या संसद में साहसिक निर्णय लेने के लिए बहुमत न होना एक बड़ी चुनौती है।

चीन की सरकार सख्ती से मुसलमानों का चीनीकरण करने जा रही है

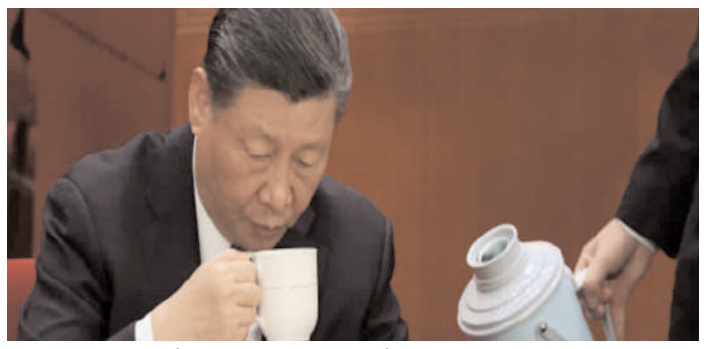

बीजिंग, एजेंसी। चीन के एक सीनियर कम्यनिस्ट नेता मा शिनग्रुई ने कहा है कि देश में अब मुस्लिमों का चीनीकरण अनिवार्य हो गया है। मुसलमानों के खिलाफ पहले से ही अत्याचार और मानवाधिकार उल्लंघन के आरोपों में घिरे चीन ने एक और खतरनाक प्लान तैयार कर लिया है। चीन की सरकार सख्ती से मुसलमानों का चीनीकरण करने जा रही है। शिनजियांग में मुसलमान बहुल इलाकों में चीन अभियान चलाएगा। अभी 6 महीने पहले ही राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी शिनजियांग पहुंचे थे और उन्होंने अधिकारियों से कहा था कि इस्लाम का सिनिसिजेशन शुरू किया जाए। इसका मतलब है कि वहां रहने वाले अल्पसंख्यक समुदाय को चीनी सभ्यता, संस्कृति और कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति वफादार बनाने का काम शुरू किया जाए। जाहिर तौर पर यह काम बिना अत्याचार के नहीं किया जाएगा। ऐसे में जानकारों का कहना है कि चीन का यह नया प्लान बेहद खतरनाक है और चीन के अल्पसंख्यकों पर खतरा मंडरा रहा है।

चीन के सालाना संसदीय सत्र के दौरान मा ने यह बयान दिया। वह गुआंगदोंग प्रांत के गवर्नर भी रह चुके हैं। बता दें कि हा के सालों में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग कई बार इस्लाम, बौद्ध और ईसाइयों के सिनिसिजेशन की बात कर चुके हैं। उनका कहना है कि लोगों को केवल कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति वफादार रहना चाहिए। इसके अलावा चीन की सरकार ने उत्तरपश्चिम के प्रांतों में एक साल तक इस्लाम के खिलाफ अभियान चलाया। आतंकवाद को खत्म करने के नाम पर यह अभियान चलाया जा रहा था। हालांकि इसका उद्देश्य उइगर मुसलमानों पर जुल्म ढाना और फिर उन्हें धर्मपरिवर्तन पर विवश करना था।

साल 2022 में यूएन की एजेंसी ने कहा था कि चीन में मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चीन की खूब आलोचना हुई। बावजूद इसके चीन में क्षेत्रीय अधिकारी सांस्कृतिक नरसंहार और बंधुआ मजदूरी करवाने से बाज नहीं आए। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया था कि शिजियांग में सबसे ज्यादा सोलर सेल का उत्पादन होता है। इन फैक्ट्रियों में मुसलमानों से जबरन काम लिया जाता है। दुनियाभर में इस बात का विरोध हुआ था। नवंबर 2023 की रिपोर्ट में कहा गया था कि चीन अपने कई प्रांतों में मस्जिदों को बंद करवा रहा है और मुसलमानों के चीनीकरण के लिए हर प्रयास कर रहा है। लोगों को नमाज पढ़ने तक से रोक दिया गया है। सार्वजनिक दस्तावेजों, सैटलाइट इमेज और गवाहों के जरिए इस बात के सबूत भी दिए गए थे।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।